सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

राजनीति से परे भाई-बहन के रिश्ते ने पेश की हिंदू-मुस्लिम एकता की पेज: 4

रुबीना दिलैक ने याद किया 'खतरों के खिलाड़ीइ का सफर पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 144 | शनिवार 29 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'नफरत भरी कार्रवाई', शिक्षकों को सस्पेंड करने पर कर्नाटक सरकार पर भड़के शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी

हुब्बली। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कर्नाटक सरकार पर 'घृणा' के साथ कार्य करने का आरोप लगाया, जब दो सरकारी स्कूल शिक्षकों को आरएसएस के मार्ग मार्च में भाग लेने के लिए निलंबित किया गया और इस कार्रवाई को वापस लेने की मांग की। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने कार्रवाई का समर्थन करते हुए पूछा कि सरकारी शिक्षकों ने 'अन्य पंजीकृत संगठन' के कार्यक्रम में भाग क्यों लिया, जो स्पष्ट रूप से आरएसएस का संदर्भ था। जोशी ने यह पूछते हुए सरकार की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाया कि क्या सरकार को लापता आइएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार को खोजने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो शिक्षकों को निलंबित करने के बजाय कर्नाटक लोक सेवा आयोग में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के लिए वांछित हैं।

सेशेल्स की प्रथम महिला मैडम वेरोनिक हर्मिनी ने मिशन शक्तिसैट का किया दौरा, 108 देशों से आई छात्राओं से की मुलाकात

नई दिल्ली एजेंसी: महिला नेतृत्व, वैश्विक कूटनीति और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवसर उस समय देखने को मिला, जब सेशेल्स की प्रथम महिला महामहिम मैडम वेरोनिक हर्मिनी ने शुक्रवार को मिशन शक्तिसैट का दौरा किया। अपने देश में स्नेहपूर्वक सेशेल्स की माँ के रूप में पहचानी जाने वाली मैडम हर्मिनी ने मिशन शक्तिसैट की प्रेरक शक्ति और नेतृत्वकर्ता, जिन्हें प्यार से स्पेस मॉम कहा जाता है, से मुलाकात की। मिशन शक्तिसैट में आयोजित इस विशेष अवसर पर मैडम वेरोनिक हर्मिनी ने दुनिया भर से जुटी युवा बालिका वैज्ञानिकों और प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं और बेटियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाने तथा उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर जोर

दिया। उनके संबोधन में महिला नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर लड़कियों के लिए नए अवसर पैदा करने की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।इस मुलाकात को दो मातृशक्तियों के मिलन के रूप में देखा गया। क ओर सेशेल्स की प्रथम महिला, जिन्हें उनके देश में स्नेह और सम्मान के साथ सेशेल्स की माँ कहा जाता है, और दूसरी ओर मिशन शक्तिसैट की प्रेरक शक्ति स्पेस मॉम। दोनों की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि बेटियों के सपनों की कोई सीमा नहीं होती। वे चाहें तो विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान और नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं और चांद तक पहुंचने का सपना भी साकार कर सकती हैं।आयोजकों के अनुसार, मिशन शक्तिसैट दुनिया के सबसे बड़े ऑल-गर्ल्स चंद्र मिशनों में से एक है, जिसमें 108 देशों की बालिका वैज्ञानिकों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। मिशन का उद्देश्य अगली पीढ़ी की महिलाओं को अंतरिक्ष विज्ञान एवं अन्वेषण के अग्रिम मोर्चे से जोड़ना और उन्हें वैज्ञानिक सोच, तकनीकी कौशल तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने के अवसर उपलब्ध कराना है।

इस पूरे अभियान को महिला नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय सहयोग.....

जिसका दायरा राष्ट्रीय स्तर से बढ़ाकर वैश्विक स्तर तक किया गया है। मैडम वेरोनिक हर्मिनी की यात्रा ने इस पूरे अभियान को महिला नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक मजबूत संदेश दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य था

इस कार्यक्रम में सेविंग्स के फाउंडर मदन भारद्वाज भी मौजूद थे, जिनकी तरफ से सभी देशों से आईं युवा बालिकाओं के लिए मुफ्त कैंसर स्क्रीनिंग चैन भी लगवाई गई थी।मैडम हर्मिनी की मिशन शक्तिसैट में उपस्थिति को इस वैश्विक पहल के लिए महत्वपूर्ण समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। उनकी यात्रा ने मिशन के वैश्विक संरक्षकों, समर्थकों और गणमान्य व्यक्तियों के समूह में एक नई प्रभावशाली आवाज जोड़ी है। यह संदेश भी सामने आया कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल तकनीक और प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इसके पीछे उन महिलाओं और नेतृत्वकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो युवा पीढ़ी को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करती हैं। मिशन शक्तिसैट का उद्देश्य केवल एक अंतरिक्ष मिशन को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि दुनिया के अलग-अलग देशों की बेटियों को एक साझा वैज्ञानिक और मानवीय उद्देश्य से जोड़ना है।इसके माध्यम से लड़कियों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की व्यावहारिक शिक्षा, मार्गदर्शन और भविष्य के अवसरों से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। मिशन शक्तिसैट डॉ. केसन के नेतृत्व में संचालित एक वैश्विक पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर की लड़कियों और महिलाओं को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की शिक्षा, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराकर सशक्त बनाना है। आयोजकों के अनुसार, इस पहल में 108 से अधिक देशों की भागीदारी शामिल है। मिशन का लक्ष्य युवा बेटियों को विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना और उन्हें वैश्विक मंच प्रदान करना है।मिशन शक्तिसैट को स्पेस किड्ज इंडिया से भी जोड़ा गया है। यह संगठन युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जोड़ने के अवसर तैयार करने पर केंद्रित है।

रिजिजू ने दिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के संकेत, परिसीमन बिल पर टिकीं निगाहें; विपक्ष में हलचल

नई दिल्ली। संसद के फिर से बुलाए जाने की संभावनाओं पर संकेत देकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष की बेचैनी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं से महिला आरक्षण कानून को जल्द लागू करने का वादा किया है, सरकार इसी दिशा में काम कर रही है। इंडिया टुडे के अनुसार, रिजिजू ने बताया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने मांग की कि केंद्रीय मंत्री द्वारा दिए गए संसद का विशेष सत्र बुलाने के संकेत से पहले, परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा करने हेतु एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। हालांकि रिजिजू ने 2029 से महिला आरक्षण कानून

लागू करने और लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने हेतु तत्काल सत्र बुलाने पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की, लेकिन उन्होंने कहा कि अतीत में भी बिना सत्रावसान के संसद को फिर से बुलाया गया है। मानसून सत्र को नहीं किया गया है स्थगित 13 अगस्त को समाप्त हुए मानसून सत्र का अभी तक सत्रावसान नहीं किया गया है। रिजिजू ने कहा, "प्रधानमंत्री पहले ही देश की महिलाओं से स्पष्ट प्रतिबद्धता जता चुके हैं कि महिला आरक्षण और संसद द्वारा महिलाओं को दिया गया वचन लागू किया जाएगा। हम उसी आधार पर काम कर रहे हैं"। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि रिजिजू की टिप्पणी संसद के मानसून सत्र के सत्रावसान में हो रही देरी से जुड़ती है। खरगे ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा कि यह देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। कृपया 16-17 अप्रैल 2026 की तरह चीजों को फिर से जबरन थोपने की कोशिश न करें। 16-17 अप्रैल का संदर्भ लोकसभा में विधेयक पर हुई चर्चा और मतदान से है, जिसमें विपक्ष ने सरकार के प्रस्तावित कानून को गिरा दिया था। लोकसभा की मौजूदा सीटें 25 साल तक स्थिर रखने की मांग खरगे ने प्रधानमंत्री से कहा कि उनकी पार्टी का रुख स्पष्ट है कि लोकसभा की मौजूदा संख्या 543 सांसद और उसमें राज्यों की हिस्सेदारी को 25 साल तक फ्रीज कर दिया जाना चाहिए। कांग्रेस यह भी चाहती है कि संसद की मौजूदा क्षमता के अनुसार ही 2029 के लोकसभा चुनावों से महिला आरक्षण लागू किया जाए।

पीएम की अपील के बाद सोशल मीडिया पर एक्टिव हुए मोदी कैबिनेट के मंत्री, शाह सबसे आगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 जुलाई 2026 को कैबिनेट बैठक में मंत्रियों से इंस्टाग्राम पर ज्यादा एक्टिव होने, रील बनाने और युवाओं से सीधा संवाद करने की बात कही थी। महज एक महीने के अंदर इस अपील का असर दिखने लगा है। 24 अगस्त तक 29 में से 28 यानी 97 प्रतिशत कैबिनेट मंत्रियों की इंस्टाग्राम एक्टिविटी में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जदयू के राजीव रंजन सिंह को छोड़कर बाकी सभी मंत्री सोशल मीडिया पर पहले से कहीं ज्यादा एक्टिव हो गए हैं। सोशल मीडिया मोदी कैबिनेट की डिजिटल स्ट्राइक इस समय में मंत्रियों ने कुल 1179 पोस्ट किए। मंत्रियों के पोस्ट में औसतन 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। युवा वर्ग, खासकर

जेन-जी तक पहुंच बनाने के लिए रील्स पर खास जोर दिया जा रहा है। शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नीतियों और अहम मुद्दों को रील्स के जरिए आसान भाषा में समझाने पर फोकस किया है। अमित शाह फॉलोअर्स में सबसे आगे इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में गृह मंत्री अमित शाह सबसे आगे हैं। उनके फॉलोअर्स में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अन्य मंत्रियों के आंकड़े इस प्रकार हैं। धर्मेंद्र प्रधान के फॉलोअर्स 2.43 लाख, प्रह्लाद जोशी के 1.26 लाख, सीआर पाटिल के 2.57 लाख और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के फॉलोअर्स में भी अच्छी खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुछ मंत्रियों के फॉलोअर्स 8.53 लाख और 2.95 लाख के आसपास पहुंच गए हैं। रील्स पर जोर, युवाओं से सीधा संवाद पीएम मोदी की सलाह के बाद मंत्रियों ने रील्स को अपनी संचार रणनीति का अहम हिस्सा बना लिया है। जटिल नीतियों को रोचक और संक्षिप्त रील्स के जरिए समझाने की कोशिशें तेज हुई हैं। यह कदम सरकार को युवा मतदाताओं से जोड़ने और सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एक महीने के आंकड़े बताते हैं कि कैबिनेट स्तर पर डिजिटल एक्टिविटी अब नई ऊंचाई पर पहुंच चुकी है।

रक्षाबंधन पर पीएम मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं, स्कूली छात्राओं ने बांधी राखी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और कामना की कि यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता लेकर आए। वार्षिक परंपरा को जारी रखते हुए, स्कूली छात्राओं ने 7 लोक कल्याण मार्ग पर स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास जाकर उनकी कलाई पर 'राखी' बांधी। प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और एक वीडियो साझा किया, जिसमें बच्चों को राखी बांधते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में वह युवा आगंतुकों के साथ गर्मजोशी से बातचीत करते और उनसे हाथ मिलाते नजर आए। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लेकर आए। मोदी ने कहा, "स्नेह, अपनत्व और आपसी विश्वास की डोर सदैव अटूट बनी रहे, यही

कामना है। उन्होंने कहा, "7, लोक कल्याण मार्ग पर रक्षा बंधन समारोह के कुछ यादगार पल। यह त्योहार स्नेह और सौहार्द के बंधन को और मजबूत करे। यह सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लेकर आए। एक बच्चे ने प्रधानमंत्री से पूछा कि बचपन में उनका सपना क्या था, मोदी ने जवाब दिया, "आप लोगों से मिलना"। रक्षाबंधन हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है, जो भाई-बहन के प्रेम और आपसी स्नेह के रिश्ते को समर्पित है। इस अवसर पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रंग-बिरंगी राखी बांधती हैं, जो भाई की सुख-समृद्धि और कुशलता की कामना का प्रतीक होती है। इसके बदले भाई बहनों को उपहार देते हैं और हर परिस्थिति में उनकी रक्षा करने का संकल्प लेते हैं।

खौफ पर आस्था की जीत: जब मौत बनकर मंडरा रही थी बाढ़, तब योग से खुद को शांत रख रहे थे तीर्थयात्री

मुंबई। कैलास मानसरोवर यात्रा पर गया पनवेल का एक परिवार नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ से बाल-बाल बचा। यह परिवार आपदा आने से ठीक आठ-नौ घंटे पहले ही प्रभावित इलाके से निकला था। इनके शुक्रवार शाम तक कैलास मानसरोवर पहुंचने की उम्मीद है। वैसे बाढ़ के डर ने इस टूर में शामिल तीर्थयात्रियों को हिलाकर रख दिया है। इन तीर्थयात्रियों ने खुद को शांत करने के लिए योग का सहारा लिया। पनवेल के रहने वाले अश्विन शाह ने बताया कि उन्होंने 2005 में कैलास मानसरोवर यात्रा की थी। अबकी बार पत्नी अंजना अश्विन शाह, बेटे धीरेन अश्विन शाह, बहू युक्ति धीरेन शाह, छोटे भाई जयंत शाह और भाभी हंसा शाह के साथ तीर्थयात्रा ग्रुप का हिस्सा हैं। शाह ने कहा-"वह अचानक बाढ़ के आने से करीब आठ-नौ घंटे पहले ही उस जगह से निकल गए थे। वे सभी सुरक्षित हैं और अब तिब्बत में हैं।" टूर लीडर शैलेश माहेश्वरी ने भी पुष्टि की कि पनवेल से आए शाह परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा- "शुक्रवार सुबह हम तिब्बत से कैलास मानसरोवर की ओर बढ़ेंगे और शाम तक वहां पहुंच जाएंगे।" शाह ने कहा- "मैंने गुरुवार शाम को अपने घर पर परिवार के सभी सदस्यों से बात की।

अब मैं भगवान से प्रार्थना कर रहा हूं कि वह अपनी तीर्थयात्रा सुरक्षित पूरी करें और सुरक्षित घर लौटें।" वैसे बाढ़ के डर ने दूसरे तीर्थयात्री भी सहमे हुए हैं। इसी ग्रुप में शामिल रूपाली छेड़ा ने बताया कि घटना के बाद खुद को शांत करने के लिए हम सभी ने योग का सहारा लिया। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने नेपाल में फंसे अपने नागरिकों के लिए 24/7 हेल्पलाइन शुरू की है।

सरकारी शिक्षकों को RSS के पथ संचलन में शामिल होना पड़ा भारी, कर्नाटक सरकार ने 2 को किया सस्पेंड

बेंगलुरु। कर्नाटक के यादगीर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन (रैली) में भाग लेने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है। शिक्षा विभाग के अनुसार, दोनों शिक्षकों पर कर्नाटक सिविल सर्विस नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। सस्पेंड किए गए शिक्षकों में यादगीर जिले के हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय में सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय में हेडमास्टर अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं। दोनों शिक्षकों पर अलग-अलग जगह हुए फरवरी मार्च में शामिल होने का आरोप है। विभाग ने उनके इस कदम को कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 का उल्लंघन और कर्तव्य की अवहेलना मानते हुए विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबन की कार्रवाई की है। शिक्षक गुरुराज जोशी पर क्या है आरोप? मामले की कार्यवाही के मुताबिक, सहायक

शिक्षक गुरुराज जोशी ने 12 अक्टूबर 2025 को विजयपुरा जिले के तालिकोटी में आयोजित आरएसएस के पथ संचलन में भाग लिया था। इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति की एक तस्वीर कन्नड़ समाचार पत्र 'विजया कर्नाटक' में प्रकाशित हुई थी। इसके बाद, अंबेडकर स्वाभिमानी सेना की जिलाध्यक्ष जुमाना गुडीमणि ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की और शिकायत दर्ज कराई। शिक्षा विभाग के अनुसार, जोशी को 13 मार्च 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। अपने लिखित जवाब में जोशी ने तर्क दिया कि यह कार्यक्रम रविवार को स्कूल समय के बाद आयोजित हुआ था और यह कोई राजनीतिक आयोजन न होकर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम था। हालांकि, विभाग ने उनके इस तर्क को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि नियमों के तहत इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल, विभागीय जांच पूरी होने तक जोशी को 'कर्नाटक सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1957' के नियम 10(1) के तहत तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

कांग्रेस आक्रामक, मगर सपा-आरजेडी ने साधी चुप्पी... जाति जनगणना पर क्यों बंटा विपक्ष?

नई दिल्ली। आजादी के बाद पहली बार हो रही जाति जनगणना पर कांग्रेस को सहयोगी दलों का साथ नहीं मिल रहा है। जाति जनगणना कराने के तरीके पर कांग्रेस आक्रमक है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जनगणना में ओबीसी जातियों को गिनने के तरीके पर आपत्ति जताई है, लेकिन कांग्रेस के सहयोगी दलों की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हैरानी की बात यह ओबीसी की राजनीति करने वाली पार्टियों ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। दरअसल जातियों की गणना के लिए जनगणना के फार्म में खुद अपनी जाति बताने को कहा गया है। कांग्रेस का कहना है कि इससे 2012 की सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) की तरह लाखों जातियां सामने आ जाएगी, जिससे जाति गणना का पूरा उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। जाति जनगणना पर कांग्रेस का हल्ला बोल 2012 के एसईसीसी में जातियों की संख्या 46 लाख 70 हजार से अधिक दर्ज की गई थी। कांग्रेस जनगणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की तरह

ओबीसी का अलग से कालम बनाने और उनमें ओबीसी जातियों को सूची लगाकर ड्राप डाउन से जाति चुनने का विकल्प देने की बात कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि बिहार और तेलंगाना में इसी तरीके से ओबीसी जातियों की गिनती की गई थी। कांग्रेस की मांग को सरकार कई तवज्जो नहीं दे रही है। 17 अगस्त से हिमाचल, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में स्वयं गणना का काम शुरू हो चुका है, जिसमें लोगों को खुद अपनी जानकारी आनलाइन देने का विकल्प है। एक सितंबर से इन इलाकों में घर-घर जाकर जनगणना कर्मी लोगों की जानकारी जुटाएंगे। जाहिर है इसमें खुद अपनी जाति बतानी होगी और ड्राप डाउन से जाति चुनने का विकल्प नहीं है।

आजादी के बाद पहली बार हो रही जाति जनगणना पर कांग्रेस आक्रामक है, लेकिन उसके सहयोगी दल इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

सपा-आरजेडी क्यों है मौन? आशंका थी कि ओबीसी की राजनीति से सत्ता के शिखर तक पहुंचने वाली समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियां इसका जमकर विरोध करेगी और कांग्रेस की तरह से ड्राप डाउन से जाति चुनने का विकल्प देने की मांग करेगी। जदयू के साथ सरकार में उप मुख्यमंत्री रहते हुए तेजस्वी यादव ने जाति गणना का पूरजोर समर्थन किया था। 215 जातियों के विकल्प में से किसी एक जाति को चुनने का विकल्प देते हुए जाति गणना भी करवाई थी। उसी जाति गणना के आधार पर बिहार सरकार ने ओबीसी के लिए 65 फीसद आरक्षण का आदेश भी जारी कर दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। जाति जनगणना पर बिखरा विपक्ष ओबीसी की राजनीति करने वाली करने वाली पार्टियों की चुप्पी को ओबीसी जातियों के टकराव और ओबीसी वोटबैंक के बिखराव से जोड़कर देखा जा रहा है।

संपादकीय

भयावह हिमालयी त्रासदी

बीते बुधवार को नेपाल में आई भयावह जल-प्रलय जैसी घटना में हुई जन-धन की हानि ने प्रकृति के विकराल रूप के सामने हमारी लाचारी को ही दशार्या है। वहीं भीषण बाढ़ से हुई तबाही ने हिमालयी इलाके में बढ़ते जलवायु जोखिमों और आपदा से निपटने की हमारी तैयारियों में गंभीर चूकों को भी उजागर किया है। इस प्राकृतिक रौद्र में नेपाली लोगों और विदेशियों समेत मरने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही नेपाल के कई जिलों में पुलों, सड़कों व सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान भी पहुंचा है। निस्संदेह, यह विकराल प्राकृतिक आपदा हिमालयी क्षेत्रों में स्थित दक्षिण एशियाई देशों और उनके बाहरी इलाकों के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। शुरूआती आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर टूटने और चट्टानों के खिसकने से भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का बहाव रुक गया था, बाद में बढ़ते पानी व मलबे के दबाव से कृत्रिम बांध टूटने से नदी में बाढ़ आ गई। जिसके फलस्वरूप पहाड़ी ढलानों में तेज गति से पानी व मलबा नीचे की ओर रौद्र रूप से बहने लगा। अब भले ही इस तबाही की मूल वजह हिमखंड टूटना, ग्लेशियर झील का फटना, जमीन का खिसकना बताया जा रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक दुर्घटनाओं के लिये हिमालयी पहाड़ बेहद खतरनाक बनते जा रहे हैं। दरअसल, हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और इसके चलते खतरनाक ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। जिनमें से कई को भविष्य के लिये खतरनाक माना जा रहा है। इस आसन्न संकट में ग्लोबल वार्मिंग की भी बड़ी भूमिका है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ता तापमान ग्लेशियरों की पीछे हटने की रफ्तार को बढ़ा रहा है। हाल के वर्षों में बर्फबारी और बारिश के पैटर्न में तेजी से बदलाव भी आ रहा है। जो पहाड़ी ढलानों को अस्थिर बना रहा है। बहुत संभव है कि जलवायु परिवर्तन भले ही हिमालय में होने वाली प्राकृतिक आपदाओं का एकमात्र कारण न हो, लेकिन यह परिवर्तन ऐसी स्थितियां जरूर पैदा कर रहा है, जहां प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति बढ़ जाए और वे ज्यादा विनाशकारी साबित हों। यही वजह है कि नेपाल में अचानक आई इस बाढ़ को एक बड़े और तेजी से गंभीर होते क्षेत्रीय बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है।

बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मराठी अस्मिताबोध की नई अभिव्यक्ति

उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में ह्यविविधता में एकताह्ण का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती। दिलचस्प यह है कि राष्ट्रीयता के पुरजोर पोषक इन इलाकों को उपहास में कभी बीमारू कहा जाता था। इस पर गोबरपट्टी और गोबरनाडु का विशेषण खास धारा की वैचारिकी ने जो चस्पा कर रखा है। इस सोच की प्रमुख वजह आर्थिक रूप से इन इलाकों का अपेक्षाकृत उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों से पिछड़े रहना है। इसी वजह से रोजी-रोटी की खातिर महाराष्ट्र के टैक्सी और ऑटो चालकों में सबसे बड़ी संख्या भदेस माने वाले बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि के प्रवासी शामिल हैं। जाहिर है कि मराठी का कामचलाऊ ज्ञान रखने के नियम का शिकार यही लोग ज्यादा हुए हैं। इससे इनकी ही रोजी-रोटी पर संकट बढ़ा है।

महाराष्ट्र के ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, राज्य में 12 लाख 96 हजार से ज्यादा ऑटो हैं, जबकि करीब पांच लाख टैक्सियां हैं। यहां के परिवहन विभाग के मुताबिक, अकेले ग्रेटर मुंबई इलाके में करीब पांच लाख टैक्सियां और ऑटो रिक्शा चल रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसद ऑटो-टैक्सी चालक गैर मराठी और हिंदीभाषी इलाकों के ही हैं। राज्य के दूसरे इलाकों में करीब आधे ऑटो-टैक्सी चालक हिंदीभाषी हैं। महाराष्ट्र ही क्यों, किसी भी राज्य के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को वहां की स्थानीय भाषा आनी चाहिए। उनके रोजाना का काम स्थानीय भाषा के कामचलाऊ ज्ञान से चल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान का पैमाना क्या हो, महाराष्ट्र सरकार का आदेश इस मसले में स्पष्ट नहीं है। विवाद और परेशानी इस वजह से भी है।

सर्विस सेक्टर और रेहड़ी-पटरी लगाने वाले अक्सर कामकाज करते-करते स्थानीय भाषा सीख लेते हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हथकरघा और दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं कम शिक्षित हैं। लेकिन वे हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी, जर्मन और स्पेनिश भी धाराप्रवाह बोल लेती हैं। तमिलनाडु को लेकर धारणा है कि वहां घोर हिंदी विरोधी माहौल है। लेकिन वहां के प्रमुख पर्यटन स्थल महाबलीपुरम् में भीख मांगने वाले भी बहुभाषी मिल जाते हैं, जो हिंदीभाषी सैलानियों से हिंदी में भीख मांगते हैं। वहां घूम-घूमकर छोटे-मोटे सामान बेचने वाली लड़कियां भी तकरीबन अनपढ़ हैं, लेकिन वे हिंदी, गुजराती, बांग्ला आदि बोल लेती हैं। चाहे कनॉट प्लेस के फुटपाथ पर दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं हों या कोलकाता की गलियों में दुकान लगाने वाले बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग हों, अगर वे अंग्रेजी और बांग्ला आदि बोलते हैं तो इसकी वजह कोई स्कूली शिक्षा नहीं, बल्कि रोजाना का संपर्क और जरूरत है। ऐसा नहीं कि महाराष्ट्र के ऑटो-टैक्सी चालक मराठी का कामचलाऊ ज्ञान या समझ नहीं रखते। यहां ध्यान रखने की बात है कि अपनी माटी से दूर जब कोई ऑटो या टैक्सी चलाने का काम चुनता है तो वह तत्काल सड़क पर नहीं उतरता। वह पहले सड़कों को पहचानता है, उनकी भाषा को समझने की कोशिश करता है।

भाषा विज्ञान की नजर से देखें तो मराठी, गुजराती और राजस्थानी ऐसी भाषाएं नहीं है, जिन्हें आम हिंदीभाषी समझ नहीं सकता। ठीक इसी तरह इन भाषा-भाषियों के लिए हिंदी भी ऐसी भाषा नहीं है, जिसे वे न समझ सकें। भाषा को लेकर जब भी कोई विवाद उठता है, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का एक इंटरव्यू याद आता है। जिसमें उन्होंने अपनी दादी की चारधाम यात्रा का जिक्र किया था। उनकी दादी ने शायद पिछली सदी के दूसरे दशक में तमिलनाडुके पालघाट इलाके के अपने गांव से चारधाम की यात्रा की थी और महीनों बाद सकुशल वापस लौट आई थीं। शेषन ने कहा था कि उनकी दादी तमिल के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं जानती थीं, लेकिन उन्हें चारधाम यात्रा से दिक्कत नहीं हुई। सिर्फ शेषन ही नहीं, सदियों से लोग भारत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक तीर्थ यात्राएं करते रहे हैं। आज तो तकनीक का विस्तार हो गया है, संचार क्रांति हो चुकी है। जब ये सहूलियतें नहीं थीं, तब क्या तीर्थ यात्राएं रूकीं। तब क्या भाषाएं बाधा बनीं। ऐसे में सवाल यह है कि फिर आज भाषा कैसे चुनौती बन सकती है।

कोर्ट परिसर और बाहर गैंगवार कानून व्यवस्था पर सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

अदालतों और कचहरी परिसरों के बाहर इस तरह की आपराधिक घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठाती हैं और आम नागरिकों में डर पैदा करती हैं।अदालतों के बाहर लगातार बढ़ रही गैंगवार और गोलीबारी की घटनाएं देश में न्यायपालिका और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं दरअसल कई बार कोर्ट परिसरों के गेट पर पर्याप्त पुलिसकर्मी या मेटल डिटेक्टर नहीं होते हैं। वकीलों, मुवक्किलों और आम जनता की भारी भीड़ के कारण संदिग्ध लोगों की पहचान करना कठिन हो जाता है। आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की सघन तलाशी न होना अपराधियों को मौका देता है। देश के कई हिस्सों में अदालत परिसरों व उनके आस-पास अपराधी गिरोहों तथा अन्य लोगों द्वारा गोलीबारी और हिंसा का सिलसिला कुछ समय से जारी है जिससे ये स्थान असुरक्षित होते जा रहे हैं जिसका अनुमान पिछले दिनों लगातार हो रही घटनाओं से लगाया जा सकता है आपको बता दें 20 अगस्त 2026 को हरियाणा के हिसार कोर्ट परिसर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना सामने आई, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर गैंगस्टर विनोद पाणु की हत्या कर दी गई।

आपको याद होगा 24 सितम्बर, 2021 को दिल्ली की रोहिणी अदालत के अंदर जज के सामने 2 हमलावरों ने गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी को गोलियों से भून डाला।बिहार - फरवरी 2024: आरा सिविल कोर्ट गेट के पास बदमाशों ने पेशी पर आए एक बुजुर्ग आरोपी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।8 जुलाई, 2022 को मोगा (पंजाब) के अदालत परिसर में एक केस के सिलसिले में पेशी भुगतने आए दोनों पक्षों के लोगों में पार्किंग एरिया में गाड़ी आगे बढ़ाने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर गोलियां चला दीं।7 फरवरी, 2023 को लुधियाना में पेशी भुगतने आए लोगों के 2 गुटों के बीच बहस के बाद एक पक्ष द्वारा फायरिंग कर देने से 3 लोग घायल हो गए। 21 अप्रैल, 2023 को दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में एक वकील ने पेशी भुगतने आई एक महिला के साथ पुराने विवाद के चलते उस पर गोलियां चला दीं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

6 जुलाई, 2023 को दिल्ली की तीस हजारी अदालत में 2 वकीलों के ग्रुपों के बीच झगड़े के बाद पहले दोनों धड़ों ने एक-दूसरे पर पत्थरों से हमला किया और फिर एक धड़े के वकील ने दूसरे धड़े के वकील पर गोली चला दी।

4 सितम्बर, 2025 को भिवानी (हरियाणा) अदालत परिसर में वकीलों के एक चैम्बर के निकट अपने परिचितों के साथ बैठे एक व्यक्ति पर हमलावरों ने गोलियां चला कर उसे मार डाला। इस मामले की जांच रिपोर्ट में पता चला कि हमलावर वास्तव में उक्त व्यक्ति को मारने नहीं आए थे। उनका निशाना तो बिजेंद्र और काला नामक 2 व्यक्ति थे। सुपारी लेकर हमलावरों ने उन दोनों की हत्या की योजना बनाई थी परंतु फायरिंग के दौरान गोली गलत व्यक्ति को लग गई।

16 मई, 2026 को खरखौदा (हरियाणा) अदालत में दहेज प्रताड़ना और घरेलू विवाद के मामले में पेशी भुगतने आए नीरज उर्फ कातिया के पेशी के बाद एस.डी.एम. कार्यालय के निकट पहुंचते ही कार में सवार हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे नीरज की मौत हो गई।

6 अगस्त, 2026 को चरखी दादरी (हरियाणा) में अदालत में पेशी के बाद जा रहे 7 युवकों पर दूसरे पक्ष द्वारा अदालत परिसर से कुछ ही दूरी पर की गई ताबड़तोड़ फायरिंग के परिणामस्वरूप कार में सवार सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी गर्दन और पैरों पर 3 गोलियां लगी थीं।

और अब 20 अगस्त, 2026 को हिसार (हरियाणा) के कोर्ट परिसर में गैंगस्टर विनोद काना पेशी भुगतने के बाद जब अपने साथियों के साथ पैदल चल कर बाहरी गेट के पास पहुंचा तो अचानक 2 हमलावरों ने ताबड़तोड़ 12 राऊंड से अधिक गोलियां बरसा कर विनोद काना की हत्या कर दी। इस हमले में गोली लगने से गैंगस्टर का एक साथी घायल हो गया तथा दूसरे के हाथ पर छर्रे लगे। ये तो सिर्फ कुछ वारदातें बानगी है आए दिन अपराधी अदालत में और बाहर परस्पर रंजिशन खून खराबा कर रहे हैं उन्हें कानून का तनिक भय नही है। इसी तरह की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए 12 अगस्त, 2023 को जस्टिस एस. रविंद्र भट्ट ने सुप्रीमकोर्ट में देश भर के न्यायिक परिसरों में अदालतों में सुरक्षा सम्बन्धी रणनीति बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा था कि, ऐसी घटनाएं न केवल जजों बल्कि वकीलों, अदालत के कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करती हैं। अदालत परिसरों में सुरक्षा मजबूत करने के आदेश देते हुए उन्होंने कहा कि, एक ऐसे स्थान के रूप में अदालत की पवित्रता को बनाए रखने के लिए समझौता नहीं किया जा सकता। अतः न्यायिक संस्थान सभी पक्षकारों की भलाई के लिए व्यापक कदम उठाएं।

अदालत परिसरों में इस प्रकार की घटनाएं सुरक्षा प्रणाली में खामियों का मुंह बोलता उदाहरण हैं। इसके लिए जहां अदालत परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता है, वहीं अनेक अदालतों में प्रमुख स्थानों पर जहां अभी भी कैमरे नहीं लगे और जो लगे हैं, उनमें से भी अधिकांश काम नहीं कर रहे, उनका चालू हालत में होना अदालतों में सुरक्षा के लिए जरूरी है।

कोर्ट के बाहर अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सख्त प्रवेश नियंत्रण, आधुनिक तकनीक और पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।अदालत परिसरों की सुरक्षा और अपराधियों के नियंत्रण के मुख्य उपाय इस प्रकार हैं:सख्त प्रवेश नियंत्रणः प्रत्येक प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर, डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर लगाए जाएं। बिना वैध पहचान पत्र या कोर्ट पास के किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित हो।सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए परिसर के चारों ओर, गेट और गलियारों में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाकर एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से 24 घंटे निगरानी की जाए। पुलिस विभाग द्वारा अदालत परिसरों के लिए एक विशेष और प्रशिक्षित सशस्त्र सुरक्षा बल तैनात किया जाए।यातायात और पार्किंग नियमन अदालत के आसपास अवैध पार्किंग और भीड़भाड़ पर पूरी तरह रोक हो, ताकि संदिग्ध वाहनों या व्यक्तियों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाईः स्थानीय पुलिस को अपराधियों की टोह लेने वाले और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल तत्वों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश हों।

इसके साथ ही अदालतों में पुलिस की तैनाती बढ़ा कर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने की जरूरत है ताकि वहां खूनखराबे और मारकाट की घटनाओं के चलते न्याय प्रक्रिया में बाधा न पड़े।

खेलों की उड़ान, विकसित भारत की पहचान

राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक महान खिलाड़ी की स्मृति को नमन करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की खेल-चेतना को जगाने एवं खेल आयामों को नये शिखर देने का दिन है। 29 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिवस हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती से जुड़ा है। खेल किसी राष्ट्र की शक्ति का केवल प्रदर्शन नहीं होते, वे उसके आत्मविश्वास, अनुशासन, सामूहिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा के दर्पण भी होते हैं। आज जब भारत 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब खेलों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की अनिवार्यता है। स्वस्थ नागरिक, अनुशासित युवा, विश्वस्तरीय खिलाड़ी और खेल-संस्कृति से संपन्न समाज- ये विकसित भारत की आधारशिलाएं हैं।

29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है। ध्यानचंद की विरासत आज के खिलाड़ियों को यह संदेश देती है कि खेल का अंतिम लक्ष्य केवल पदक नहीं, बल्कि देश के लिए सम्मान अर्जित करना है। निश्चित तौर पर खेल अब मनोरंजन नहीं, राष्ट्रीय शक्ति हैं। एक समय भारत में खेलों को पढ़ाई या रोजगार के विकल्प के रूप में गंभीरता से नहीं देखा जाता था। आज परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। क्रिकेट से आगे बढ़कर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, हॉकी, टेबल टेनिस, तीरंदाजी, शतरंज और अनेक अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर भारतीय युवाओं को बताया कि ट्रैक और फील्ड में भी भारत विश्व विजेता बन सकता है। पी. वी. सिंधु ने बैडमिंटन में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतकर नई पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित किया। मनु भाकर, डी. गुकेश, मीराबाई चानू, निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, अवनि लेखरा, हरमनप्रीत सिंह और अनेक खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में भारतीय प्रतिभा की व्यापकता सिद्ध की है। यह बदलाव किसी एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि बदलती हुई राष्ट्रीय खेल-संस्कृति का संकेत है।

टोक्यो 2020 में भारत ने सात पदक जीते और पेरिस 2024 में छह पदक हासिल किए। पदकों की संख्या भले ही अभी विकसित खेल राष्ट्रों के बराबर न हो, लेकिन भारतीय खेलों की चौड़ाई और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता लगातार बढ़ी है। पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन तो विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने यह मिथक तोड़ा है कि शारीरिक सीमाएं सफलता की सीमा निर्धारित करती हैं। भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल पदकों में नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाले युवा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह खेलों के लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में सामने रखा है। 'खेलो इंडिया' जैसी पहल ने विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान तथा खेल अवसंरचना के विकास को गति दी है। टॉप्स-टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के माध्यम से संभावित ओलंपिक पदक विजेताओं को लक्षित सहायता दी जाती है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और विश्वविद्यालय खेलों ने युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, पोषण, विदेशी प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण, वैज्ञानिक सहयोग और आर्थिक सहायता पर बढ़ता ध्यान इस बात का संकेत है कि खेल नीति अब केवल प्रतियोगिता आयोजित करने तक सीमित नहीं है। प्रतिभा की खोज से लेकर उसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनाने तक एक समग्र खेल-परिसंस्था तैयार करने की कोशिश हो रही है।

जब हम 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे, तब विकसित भारत की तस्वीर केवल ऊंची जीडीपी, आधुनिक सड़कों, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय शहरों से पूरी नहीं होगी। विकसित भारत का वास्तविक अर्थ होगा- स्वस्थ नागरिक, ऊर्जावान युवा, मानसिक रूप से मजबूत समाज और विश्व मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा राष्ट्र। इस लक्ष्य में खेलों की भूमिका निर्णायक है। खेल युवाओं को नशे, निष्क्रिय जीवनशैली और दिशाहीनता से दूर रख सकते हैं। वे समयबद्धता, लक्ष्य-निर्धारण, हार को स्वीकार कर पुनः प्रयास करने की क्षमता और नेतृत्व सिखाते हैं। खेल मैदान लोकतंत्र की तरह हैं-यहां प्रदर्शन, अनुशासन और योग्यता ही निर्णायक होते हैं। आज देश में फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब उसकी ऊर्जा स्वस्थ मानव संसाधन में परिवर्तित हो। फिट भारत ही उत्पादक भारत और शक्तिशाली भारत का आधार बन सकता है।

खेलों की एक और बड़ी शक्ति है-वे सीमाओं के पार संवाद स्थापित करते हैं। मैदान में प्रतिद्वंद्वी देश आमने-सामने होते हैं, लेकिन खेल के बाद वही खिलाड़ी एक-दूसरे के अनुभव, संस्कृति और मानवीय भावनाओं को समझते हैं। ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं देशों के बीच संवाद और सद्भाव का माध्यम बनती हैं। भारत की खेल उपलब्धियां उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करती हैं। जब भारतीय खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गूंजता है, तो करोड़ों भारतीयों में एक साथ गर्व और एकता की अनुभूति पैदा होती है। खेलों ने भारत को दुनिया के सामने एक युवा, आत्मविश्वासी और प्रतिभाशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत को खेल महाशक्ति बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। गांव-गांव तक अच्छे मैदान, प्रशिक्षित कोच, खेल विज्ञान केंद्र, पोषण सुविधाएं और आधुनिक उपकरण पहुंचाने होंगे। खेलों को केवल कुछ लोकप्रिय खेलों तक सीमित रखने के बजाय ओलंपिक और पारंपरिक भारतीय खेलों की व्यापक श्रृंखला को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों में खेल का समय बढ़ाना, प्रतिभाशाली बच्चों की प्रारंभिक उम्र में पहचान करना और उन्हें शिक्षा के साथ खेल का समान अवसर देना आवश्यक है। महिला खिलाड़ियों, दिव्यांग खिलाड़ियों और आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाओं के लिए विशेष अवसर और सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मानसिकता में होना चाहिए। खेल में हार असफलता नहीं, अगली जीत की तैयारी है। यह भावना यदि शिक्षा और जीवन में भी उतर जाए तो भारत की युवा शक्ति असाधारण परिणाम दे सकती है।

खेल केवल पदक नहीं देते, वे रोजगार और अर्थव्यवस्था भी बनाते हैं। स्टेडियम, खेल उपकरण, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, फिटनेस उद्योग, खेल प्रसारण, पर्यटन, कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन और डेटा एनालिटिक्स जैसे अनेक क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। भारत में खेल-आधारित स्टार्टअप और तकनीकी नवाचारों की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। अर्थात खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि भविष्य की मानव पूंजी और नई अर्थव्यवस्था में निवेश है। इसलिये राष्ट्रीय खेल दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संकल्प लेने का अवसर देता है-हर बच्चा खेले, हर युवा फिट रहे और हर प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले। हमें ऐसी खेल संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अभिभावक खेल को समय की बबार्दी न समझें, विद्यालय खेल को अतिरिक्त गतिविधि न मानें और समाज खिलाड़ी को केवल पदक जीतने के बाद सम्मान न दे।

2047 का विकसित भारत यदि दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना चाहता है तो उसे खेलों में भी अग्रणी राष्ट्र बनना होगा। आर्थिक शक्ति और खेल शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। जिस देश के युवा मैदान में लक्ष्य साधना सीखते हैं, वे जीवन में भी बड़े लक्ष्य हासिल करने की क्षमता रखते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस इसलिए केवल ध्यानचंद को श्रद्धांजलि का दिवस नहीं; यह भारत की युवा शक्ति को जगाने, खेल को जीवन का हिस्सा बनाने और विकसित भारत के निर्माण में खेलों को राष्ट्रीय अभियान बनाने का दिवस है। आज आवश्यकता है कि हम ध्यानचंद की खेल-प्रतिभा, नीरज की दृढ़ता, सिंधु के संघर्ष, मनु भाकर के आत्मविश्वास और हमारे हजारों उभरते खिलाड़ियों के सपनों को एक राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। 2047 का भारत केवल आर्थिक रूप से समृद्ध न हो, बल्कि शरीर से स्वस्थ, मन से मजबूत, चरित्र से अनुशासित और खेल के मैदान में विश्वविजयी भारत बने- यही राष्ट्रीय खेल दिवस का सबसे सार्थक संदेश है।

अमरोहा
शनिवार 29 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा/लखनऊ

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

दंगल, पहलवानों ने दिखाए दमखम के दांव-पेंच

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के अमौली ब्लॉक क्षेत्र के गांव बसफरा में ग्रामीणों के सहयोग से दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से पहुंचे पहलवानों ने अखाड़े में अपने दमखम और कुश्ती के हुनर का प्रदर्शन किया। मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं दर्शक मौजूद रहे। दंगल के दौरान हसनपुर देवरी निवासी रावेंद्र यादव और बसफरा निवासी बरेपाल के बीच भी कुश्ती का मुकाबला हुआ। दोनों पहलवानों ने अखाड़े में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए शानदार दांव-पेंच आजमाए। मुकाबले को देखने के लिए दर्शकों में खासा उत्साह नजर आया और तालियों व उत्साहवर्धन से अखाड़ा गूंजता रहा। आयोजकों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में पारंपरिक कुश्ती को बढ़ावा देने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में मौजूद लोगों ने पहलवानों का उत्साहवर्धन किया और आयोजन की सराहना की।

त्योहारों पर सुरक्षा के मद्देनजर सीओ ने किया पैदल गश्त, चलाया चेकिंग अभियान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) :- आगामी त्योहारों के दृष्टिगत शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया ने थाना गजरौला पुलिस के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान भीड़-भाड़ वाले बाजारों, प्रमुख चौराहों व सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की गई। पुलिस बल द्वारा पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया गया और त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए लगातार सतर्कता व निगरानी बरती जा रही है।

गजरौला पुलिस को बड़ी सफलता, 1.694 किलो अफीम के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना) :- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गजरौला पुलिस ने एसओजी व सर्विलांस टीम की मदद से अफीम तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। क्षेत्राधिकारी मंडी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध दो व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली गई, तो उनके पिट्ठू बैग से कुल 01 किलो 694 ग्राम अफीम, 03 मोबाइल फोन व 2000 रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे अफीम को बरेली क्षेत्र से लाकर अन्य स्थानों पर सप्लाई करते हैं। बरामदगी के आधार पर थाना गजरौला पर मु0अ0सं0 494/2026 धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया है। तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जांच की जा रही है।

पायलट बेटे का शव लेकर फफक पड़े पिता...अधूरा रह गया सपना, अब उसकी मां को कैसे दिखाऊंगा शव

कानपुर। बेटे को पायलट बनाने का सपना अधूरा ही रह गया अब उसका शव लेकर उसकी मां को दिखाऊंगा। ट्रेनी विमान हादसे में जान गंवाने वाले अभिषेक के पिता प्रभाकर राजू पुजारी पोस्टमार्टम हाउस में बेटे का शव देखकर फफककर रो पड़े। पोस्टमार्टम के बाद देर शाम वह पार्थिव शरीर लेकर महाराष्ट्र के लिए रवाना होंगे। महराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल एटलस मैराथन नेक्सटजोन निवासी प्रभाकर राजू तिवारी ने बताया कि अभिषेक उनका बड़ा बेटा था। वह तीन सालों से यहां रहकर पायलट की ट्रेनिंग कर रहा था। परिवार में छोटा बेटा अभिनव बैचलर आफ इंजीनियरिंग (बीई) की पढ़ाई कर चुका है। अभिषेक की मां शशिकला गृहिणी है, उसका अपनी दादी शंकरी से काफी जुड़ाव था। बुजुर्ग होने के बावजूद वह अपने पौत्र के अंतिम दर्शन करने के लिए वह परिवार के साथ कानपुर आई। पायलट की ट्रेनिंग कर रहे अभिषेक पुजारी की दोस्त प्रियंका जो मुंबई में रह रही हैं उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना अभिषेक को स्वजन को देने का प्रयास किया लेकिन उनका फोन नहीं लगा। जिसके बाद उन्हें हादसे की जानकारी दी पहले तो उन्हें यकीन नहीं हुआ कि उसका दोस्त अब इस दुनियां में नहीं है। किसी तरह उसने खुद को संभाला और इसके बाद अभिषेक केछोटे भाई अभिनव को हादसे की सूचना दी। जिसके बाद परिवार के लोग फ्लाइट से दोपहर करीब 12 बजे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। सचिन का भैरोघाट पर विद्युत शवदाह गृह में होगा अंतिम संस्कार हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के बड़ोदरा निवासी प्रशिक्षक सचिन भाटिया का पोस्टमार्टम के बाद भैरोघाट स्थित विद्युत शवदाह गृह में अंतिम संस्कार होगा। सचिन के फूफा राजीव ने बताया कि उसके पिता सतेंद्र,मां शम्मी,पत्नी लिपि,बड़ा भाई तरुण सभी लोग दोपहर करीब 3.30 बजे कानपुर पहुंचेंगे। इतनी दूर शव लेकर जाना संभव नहीं है। इसलिए शाम तक भैरोघाट स्थित विद्युत शवदाह गृह में ही उसका अंतिम संस्कार किया जायेगा।

'पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक टेक्नोलॉजी से जोड़कर पैदा होंगे रोजगार के नए अवसर'; गोरखपुर में बोले सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी ज्ञान परंपरा को आधुनिक विज्ञान, रिसर्च और टेक्नोलॉजी से जोड़कर नई संभावनाओं के द्वार खोले जा सकते हैं। आयुर्वेद को आधुनिक डायग्नोस्टिक व क्लीनिकल रिसर्च, मेडिसिनल प्लांट को आधुनिक कृषि और बायोटेक्नोलाजी और योग को प्रिवेंटिव हेल्थकेयर से जोड़ने की आवश्यकता है। इससे पारंपरिक ज्ञान को वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक पहचान मिलने के साथ नई अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसे सक्षम युवा तैयार करना है जो अपने ज्ञान और कौशल से अवसर पैदा कर सकें। विद्यार्थियों को केवल जाबब रेडी नहीं, बल्कि फ्यूचर रेडी होना होगा। उन्हें इनोवेटर, इंटरप्रेन्योर और प्राब्लम साल्वर बनने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि

भविष्य की बड़ी समस्याओं का समाधान किसी एक विषय की सीमा में नहीं, बल्कि अलग-अलग ज्ञान विधाओं के संगम से निकलेगा। मेडिकल, नर्सिंग, फामेर्सी, कृषि और अन्य विधाओं को अलग-अलग स्ट्रीम के बजाय एकीकृत ज्ञान एवं इनोवेशन इकोसिस्टम के रूप में विकसित करने की जरूरत है। एआई आधारित डायग्नोसिस, टेलीमेडिसिन, बायोटेक्नोलाजी, प्रिसिजन फार्मिंग, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट इरिगेशन और एग्री प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार, विश्वविद्यालय, उद्योग और युवा मिलकर ऐसा इकोसिस्टम तैयार करें, जिसमें ज्ञान से इनोवेशन, इनोवेशन से उद्यम, उद्यम से रोजगार और रोजगार से आर्थिक विकास की यात्रा आगे बढ़े। गोरखपुर को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और इनोवेशन के बड़े रीजनल नॉलेज और इकोनामिक हब के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के पांच वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि परिसर में पैदा होने वाला ज्ञान गांव, किसान, अस्पताल, उद्योग और युवा उद्यम तक पहुंचे, तभी विश्वविद्यालय वास्तव में समाज की शक्ति और देश की आर्थिक प्रगति का माध्यम बनेगा।

यूपी टूरिज्म ने लॉन्च नया पैकेज, स्पिरिचुअल ट्रायंगल टूर में काशी-प्रयाग-अयोध्या की यात्रा

लखनऊ। त्योहारी सीजन में उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने विजिट माई स्टेट अभियान के तहत स्पिरिचुअल ट्रायंगल टूर पैकेज शुरू किया है। चार रात और पांच दिन के इस टूर पैकेज में वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या को जोड़ा गया है। पैकेज के तहत श्रद्धालुओं को प्रमुख मंदिरों, पवित्र घाटों, बौद्ध स्थलों के साथ धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि स्पिरिचुअल ट्रायंगल टूर वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या को एक धार्मिक पथ से जोड़ता है। इसमें पहले दिन श्रद्धालुओं को काशी के संकट मोचन मंदिर, दुगार्कुंड मंदिर और अस्सी घाट का भ्रमण कराया जाएगा। इसके बाद गंगा में नौका विहार और विश्व

प्रसिद्ध गंगा आरती के दर्शन होंगे। दूसरे दिन, काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआइपी दर्शन, अन्नपूर्णा मंदिर और काल भैरव मंदिर की यात्रा होगी। इसके बाद सारनाथ का भ्रमण कराया जाएगा। यात्रा में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय भ्रमण भी शामिल है। तीसरे दिन यात्री प्रयागराज पहुंचेंगे। यहां आनंद भवन, संगम और लेटे हनुमान जी मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा। चौथे दिन यात्रा अयोध्या पहुंचेगी। यहां हनुमानगढ़ी, कनक भवन और दशरथ महल के साथ राम मंदिर में वीआइपी दर्शन कराया जाएगा। सरयू घाट पर आरती में शामिल होने का भी अवसर मिलेगा। पांचवें दिन नाश्ते के बाद यात्रियों को अयोध्या एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया जाएगा। यूपीएसटीडीसी के अनुसार, टूर पैकेज में सेडान कार से यात्रा के लिए न्यूनतम चार यात्रियों के लिए प्रति व्यक्ति 14,400 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। वहीं, क्रिस्टा से यात्रा को न्यूनतम छह यात्रियों का समूह होना जरूरी है। इसके लिए प्रति व्यक्ति 13,000 रुपये शुल्क है। टूर पैकेज में एसी वाहन से यात्रा, नौका विहार, गाइड की सुविधा, चार रात का एसी आवास और डबल शेयरिंग के आधार पर ठहरने के साथ नाश्ता शामिल है। यूपीएसटीडीसी के अध्यक्ष अमृत अभिजात ने बताया कि स्पिरिचुअल ट्रायंगल टूर पैकेज की बुकिंग सहित अन्य जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9149099890 और 7985816467 पर संपर्क किया जा सकता है।

दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर आज टूटेगा एक दिन पहले बना यात्रियों की संख्या का रिकॉर्ड! 1.55 लाख+ ने किया था सफर

मेरठ। रक्षाबंधन के त्योहार दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर सार्वजनिक परिवहन के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या यानी गुरुवार को इस कॉरिडोर पर 1.55 लाख से अधिक यात्रियों ने सफर किया। यह अब तक की सबसे अधिक दैनिक राइडरशिप है। अनुमान है कि रक्षाबंधन के दिन यानी शुक्रवार को यह संख्या पौने दो लाख से अधिक पहुंच सकती है। हालांकि इसका आंकड़ा शनिवार को उपलब्ध होगा। एनसीआरटीसी (नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन) के अनुसार शुक्रवार को त्योहार और वीकेंड के संयोग के चलते यह आंकड़ा और भी ऊपर जा सकता है। पहले भी टूटते रहे हैं रिकॉर्ड गौरतलब है कि यह इस साल का तीसरा बड़ा राइडरशिप रिकॉर्ड है। इससे पहले 8 जून 2026 को करीब 1 लाख 25 हजार 500 यात्रियों ने एक ही दिन में यात्रा कर कारिडोर की तत्कालीन सर्वाधिक दैनिक राइडरशिप दर्ज कराई थी। इसके बाद जुलाई में कांवड़ यात्रा के दौरान भी लगभग 1.50 लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान जताया गया था, जिसने पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया था। अब रक्षाबंधन के मौके पर यह आंकड़ा 1.55 लाख के पार पहुंचकर एक बार फिर नया मुकाम बना चुका है। जानकारों का मानना है कि यह लगातार बढ़ता आंकड़ा सिर्फ त्योहारी भीड़ का नतीजा नहीं, बल्कि एनसीआर में लोगों की यात्रा आदतों में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत है। पहले जहां निजी वाहनों को प्राथमिकता दी जाती थी, वहीं अब तेज, सुरक्षित और समयबद्ध होने के कारण नमो भारत यात्रियों की पहली पसंद बनती जा रही है। एनसीआरटीसी अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में भी यह ट्रेन सेवा दिल्ली-एनसीआर के लाखों यात्रियों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनी रहेगी।

भारत रक्षा पर्व : नन्हीं हथेलियों ने सैन्य वीरों को बांधी राखी, जीओसी मेजर जनरल सुमित राणा ने दिलाए दो बड़े संकल्प

मेरठ। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर गुरुवार को अब्दुल हमीद सैनिक संस्थान में दैनिक जागरण की ओर से व पश्चिमी उत्तर प्रदेश सब एरिया के सहयोग से भारत रक्षा पर्व का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश की रक्षा में तैनात सैनिकों के प्रति सम्मान और अपनत्व की भावना को मजबूत करना था। इसमें 18 स्कूलों एवं संगठनों के 33 शिक्षक और 118 विद्यार्थी शामिल हुए। छात्राओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश सब एरिया के जनरल आफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल सुमित राणा, स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर एसके सिंह समेत सैन्य अधिकारियों और जवानों को राखी बांधी। पश्चिम यूपी सब-एरिया के जीओसी मेजर जनरल सुमित राणा संग सैनिकों को राखी भेंट करते दैनिक जागरण के महाप्रबंधक विकास चुघ व संपादकीय प्रभारी रवि प्रकाश तिवारी। मुख्य अतिथि मेजर जनरल सुमित राणा ने कहा कि रक्षा केवल सीमा पर सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सुरक्षा का अर्थ केवल भौतिक सुरक्षा नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, पर्यावरण, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा भी शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने आसपास के लोगों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे कदम उठाएं। भारत रक्षा पर्व के तहत आयोजित कार्यक्रम में छावनी में तैनात सैनिकों को राखी

बांधतीं छात्राएं। जीओसी ने कहा कि अक्सर लोग सोचते हैं कि उनके छोटे से योगदान से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन यदि समाज का हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझकर काम करे तो उसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, यदि कक्षा में एक बच्चा ब्लैकबोर्ड साफ नहीं करता तो शायद कोई बड़ा फर्क न पड़े, लेकिन यदि पूरी कक्षा यही सोचने लगे तो समस्या बड़ी हो जाएगी। इसी तरह हर व्यक्ति का छोटा योगदान मिलकर बड़ा बदलाव ला सकता है। ऊर्जा सुरक्षा से लेकर पर्यावरण तक की जिम्मेदारी मेजर जनरल राणा ने विद्यार्थियों को ऊर्जा सुरक्षा का उदाहरण देते हुए कहा कि देश की ऊर्जा जरूरतें व्यापक हैं। घरों में गैस कनेक्शन से लेकर वाहनों के ईंधन तक ऊर्जा का सीधा संबंध हर व्यक्ति के दैनिक जीवन से है, इसलिए ऊर्जा का संरक्षण भी राष्ट्रहित में योगदान है। उन्होंने बच्चों से ऊर्जा बचाने और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करने का आह्वान किया। पर्यावरण सुरक्षा को आज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का असर सभी के सामने है। मौसम के स्वरूप में बदलाव, बढ़ता तापमान, अनियमित और अत्यधिक बारिश और ग्लेशियरों पर पड़ रहा प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर चेतावनी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने दैनिक जीवन में ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को आदत बनाएं। उनका छोटा-सा प्रयास भी देश और समाज की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। सैनिकों के प्रति अपनत्व का भाव जगाता है भारत रक्षा पर्व कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भारत रक्षा पर्व केवल राखी बांधने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सैनिकों और समाज के बीच एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करने का माध्यम है। स्कूलों के बच्चों का सैनिकों के साथ संवाद उनके भीतर देश और सेना के प्रति अपनत्व की भावना पैदा करता है। वहीं सैनिकों के लिए भी बच्चों का यह स्नेह उनकी जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध को नई ऊर्जा प्रदान करता है। मेजर जनरल सुमित राणा ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि भारतीय सेना देश, नागरिकों और राष्ट्रहित की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगी। जीओसी ने कहा कि भारत रक्षा पर्व महज एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, इसके मायने गहरे हैं। बच्चों के साथ मिलने-जुलने और आयोजन में भाग लेने से सैनिकों के भीतर जिम्मेदारी का अहसास बढ़ता है। इनर व्हील क्लब आफ मेरठ यूथ विंग्स ने अब्दुल हमीद सैनिक इंस्टीट्यूट में वीर जवानों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। मुख्य अतिथि जनरल आफिसर कमांडिंग मेजर जनरल सुमित राणा रहे। सौ. संस्था इस प्रकार बच्चों में भी देश और सैनिकों के प्रति अपनत्व की भावना विकसित होती है। इनरव्हील यूथ विंग्स मेरठ की शिखा अग्रवाल ने कहा कि देशभर में आयोजित भारत रक्षा पर्व का हिस्सा बनना एक सुखद अनुभव रहा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने का भी आश्वासन दिया। सेंट मेरीज एकेडमी की कक्षा सातवीं की छात्रा तिरिका का कहना था कि सैनिक देश के साथ हमारी भी सुरक्षा कर रहे हैं

मेरठ में घर के बाहर 6 फीट गहरे नाले में गिरकर डेढ़ साल के मासूम की मौत

मेरठ। जानी खुर्द थाना क्षेत्र के सिवालखास कस्बे में शुक्रवार को नगर पंचायत की लापरवाही के चलते एक डेढ़ वर्षीय मासूम की नाले में गिरने से मौत हो गई। बच्चा घर के बाहर खेलते समय अचानक करीब छह फुट गहरे नाले में जा गिरा। काफी देर तक बच्चे के दिखाई नहीं देने पर स्वजन और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। करीब एक घंटे बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर बच्चे के नाले में गिरने की जानकारी हुई। इसके बाद नाले में तलाश शुरू की गई, जहां से बच्चे का शव बरामद हुआ। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, घटना को लेकर कस्बावासियों में नगर पंचायत के प्रति आक्रोश है। सिवालखास कस्बे में शुक्रवार सुबह लगभग 11 बजे गुलबहार का डेढ़ वर्षीय पुत्र मोहम्मद जेन घर के बाहर खेल रहा था। परिवार के सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे। इसी दौरान खेलते-खेलते बच्चा घर के सामने स्थित नाले की ओर चला गया और देखते ही देखते करीब छह फुट गहरे नाले में गिर गया। जिसकी स्वजन को जानकारी नहीं हो सकी। काफी देर तक बच्चे की आवाज सुनाई नहीं देने पर स्वजन को चिंता हुई। उन्होंने घर के बाहर जाकर देखा तो जेनू वहां नहीं था। इसके बाद परिवार के लोगों ने आसपास के ग्रामीणों के साथ बच्चे की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने आसपास के संभावित स्थानों पर बच्चे को तलाशा। लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। करीब एक घंटे तक तलाश के बाद स्वजन और ग्रामीणों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज खंगालनी शुरू की। फुटेज देखने पर सामने आया कि मोहम्मद जेन घर के बाहर खेलते हुए नाले की तरफ गया था और उसमें गिर गया। फुटेज से नाले में गिरने की जानकारी मिलते ही स्वजन और ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई। इसके बाद ग्रामीणों ने नाले में उतरकर बच्चे की तलाश शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद मोहम्मद जेन का शव नाले से बरामद कर लिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। माता-पिता और अन्य स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद कस्बे में मातम छा गया। ग्रामीणों का आरोप है कि नाला काफी गहरा है और इसके आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं।

यूपी में फ्री बस सेवा सुपरहिट, 6 लाख से ज्यादा महिलाओं ने उठाया मुफ्त सफर का फायदा

लखनऊ। रक्षाबंधन पर्व पर योगी सरकार की ओर से महिलाओं और बहनों को दी गई निशुल्क बस यात्रा की सुविधा का पहले दिन बड़ी संख्या में यात्रियों ने लाभ उठाया। 27 अगस्त से शुरू हुई निशुल्क बस यात्रा में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 6.03 लाख से अधिक महिलाओं ने सफर किया। वहीं, महिलाओं के साथ सफर करने वाले 3.22 लाख से अधिक सहयात्रियों को भी निशुल्क यात्रा का लाभ मिला। इस तरह पहले दिन कुल 9.26 लाख से अधिक यात्रियों ने बिना किराया दिए सफर किया। परिवहन निगम के मुताबिक इस निशुल्क यात्रा की कुल कीमत 9.06 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। यूपीएसआरटीसी प्रधान प्रबंधक (संचालन) अनिल कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन पर महिलाओं को किसी तरह की परेशानी न हो और उन्हें सुगम व सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराई जा सके, इसके लिए परिवहन निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी युद्ध स्तर पर जुटे हुए हैं। सरकार और विभाग प्रमुख की तरफ से मिले निदेर्शों के क्रम में यात्रियों की बढ़ी संख्या को देखते हुए जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बसों को भी सड़कों पर उतारा गया है। बसों के संचालन, यात्रियों की सुविधा और व्यवस्था पर निगम की ओर से लगातार निगरानी रखी जा

रही है। इन पांच क्षेत्रों में अब तक सबसे ज्यादा निशुल्क सेवा का लाभ लिया पहले दिन महिलाओं और उनके साथ सफर करने वाले सहयात्रियों की कुल संख्या के लिहाज से मुरादाबाद क्षेत्र सबसे आगे रहा, जहां 62,586 महिलाओं और 32,203 सहयात्रियों समेत कुल 94,789 यात्रियों ने निशुल्क यात्रा की। इसके बाद हरदोई में 82,920, गोरखपुर में 68,152, लखनऊ में 64,590 और बरेली में 58,309 यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। इन पांच क्षेत्रों में ही कुल करीब 3.69 लाख यात्रियों ने निशुल्क सफर किया। यात्रियों ने की सरकार के कदम की सराहना रक्षाबंधन पर निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलने से महिलाओं के साथ उनके सहयात्रियों में भी खुशी का माहौल रहा। यात्रियों का कहना है कि त्योहार पर बड़ी संख्या में लोगों को अपने घर जाने की जरूरत होती है। ऐसे में निशुल्क बस यात्रा से परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम हुआ है। महिलाओं के साथ सहयात्री भी योगी सरकार की इस पहल की सराहना कर रहे हैं। साथ ही अतिरिक्त बसों के संचालन से भीड़ के बीच घर पहुंचने में सुविधा मिलने की बात यात्रियों ने कही।

परिवहन निगम कर रहा निरीक्षण

निशुल्क यात्रा का लाभ पात्र यात्रियों तक पहुंचे और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे, इसके लिए परिवहन निगम की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण भी करेंगी। इससे बसों में निशुल्क यात्रा की व्यवस्था की निगरानी के साथ यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया जाएगा।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल
अमरोहा
शनिवार 29 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

राजनीति से परे भाई-बहन के रिश्ते ने पेश की हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल

सपा विधायक पिंकी यादव ने जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी की कलाई पर बांधी राखी, मांगा रक्षा का वचन

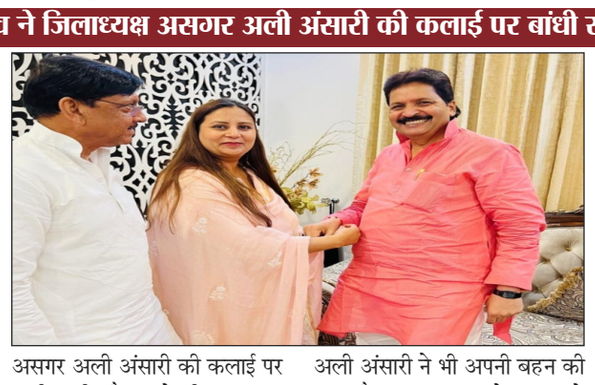

संभल(सब का सपना):- जहां राजनीति में अक्सर हिंदू-मुस्लिम के नाम पर वोटों की राजनीति के आरोप लगते रहे हैं, वहीं संभल में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते ने आपसी सौहार्द और हिंदू-मुस्लिम एकता की अनूठी मिसाल पेश की है। समाजवादी पार्टी की असमोली विधायक पिंकी यादव और संभल समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी के बीच वर्षों से चला आ रहा भाई-बहन का अटूट रिश्ता इस रक्षाबंधन पर भी देखने को मिला। रक्षाबंधन के अवसर पर विधायक पिंकी यादव ने अपने भाई असगर अली अंसारी की कलाई पर राखी बांधी और उनसे जीवनभर रक्षा का वचन लिया। इस दौरान उन्होंने अपने भाई की दीघार्यु और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, असगर अली अंसारी ने भी अपनी बहन की रक्षा और हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। बताया जाता है कि पिंकी यादव कई वर्षों से असगर अली अंसारी को अपना भाई मानकर रक्षाबंधन पर उनकी कलाई पर राखी बांधती आ रही हैं। दोनों के बीच का यह आत्मीय रिश्ता धर्म और राजनीति की सीमाओं से ऊपर भाई-बहन के विश्वास, प्रेम और स्नेह को दशार्ता है।

रक्षाबंधन के इस अवसर पर दोनों नेताओं ने अपने रिश्ते के माध्यम से समाज में आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया। उनकी तस्वीर और रक्षाबंधन का यह भावपूर्ण पल क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। लोगों ने इसे हिंदू-मुस्लिम एकता और सांप्रदायिक सौहार्द की खूबसूरत मिसाल बताया।

राखी खरीदने को बाजार पहुंचीं बहनें, मिठाई की दुकानों पर भी लगी लंबी कतारें

रक्षाबंधन पर चौराहों पर बढ़ी भीड़, भीषण गर्मी में पुलिस ने संभाला यातायात

बहजोई/संभल(सब का सपना):- रक्षाबंधन पर्व के मौके पर शुक्रवार को जनपद के बहजोई स्थित इस्लामनगर चौराहा और आसपास के बाजारों में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही बहनें अपने भाइयों की कलाई सजाने के लिए तरह-तरह की राखियां खरीदने के लिए बाजार पहुंचती रहीं। रक्षाबंधन को लेकर बाजार में काफी चहल-पहल रही और दुकानदार भी ग्राहकों के आने से उत्साहित नजर आए। इस्लामनगर चौराहे के आसपास राखी की दुकानों पर महिलाओं और युवतियों की भीड़ लगी रही। बहनें अपनी पसंद के अनुसार रंग-बिरंगी, आकर्षक और विभिन्न डिजाइनों वाली राखियां खरीदती दिखाई दीं। वहीं भाइयों के लिए उपहार एवं अन्य सामान की दुकानों पर भी खरीदारी का सिलसिला चलता रहा। रक्षाबंधन पर मिठाई की दुकानों पर भी जबरदस्त भीड़ रही। बहनें राखी बांधने के बाद भाइयों का मुंह मीठा कराने के लिए मिठाइयां खरीदती नजर आईं। मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की संख्या अधिक होने के चलते दुकानदारों को लगातार व्यस्त देखा गया। बाजार में पर्व को लेकर पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा। वहीं बड़ी संख्या में लोगों के बाजार पहुंचने के कारण इस्लामनगर चौराहे और आसपास की सड़कों पर यातायात का दबाव भी बढ़ गया। दुपहिया वाहनों के साथ बड़ी संख्या में चार पहिया वाहन सड़कों पर दिखाई दिए। वाहनों की अधिक संख्या के चलते कई स्थानों पर यातायात धीमा भी हुआ। रक्षाबंधन के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस लगातार सक्रिय रही। पुलिसकर्मी चौराहे पर तैनात रहकर वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकालते नजर आए। भीड़ और वाहनों के दबाव के बीच पुलिसकर्मियों ने यातायात को नियंत्रित करने का प्रयास किया, जिससे लोगों को आवागमन में अधिक परेशानी न हो। उधर, भीषण गर्मी के बावजूद रक्षाबंधन पर्व को लेकर लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। गर्मी और उमस के बीच भी महिलाएं, युवतियां और परिवार के अन्य सदस्य खरीदारी के लिए बाजार में पहुंचते रहे।

चौराहे और बाजार क्षेत्र में पूरे दिन लोगों की आवाजाही बनी रही। रक्षाबंधन के कारण बहजोई का इस्लामनगर चौराहा आसपास के क्षेत्र में सबसे अधिक व्यस्त नजर आया।

ब्रह्मकुमारी बहनों ने एसपी विकास चन्द्र त्रिपाठी को बांधी राखी, जनसुरक्षा का लिया संकल्प

बहजोई/संभल(सब का सपना):- शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर ब्रह्मकुमारी बहनों ने पुलिस अधीक्षक कैंप कार्यालय पहुंचकर जनपद के पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और स्नेह का भावपूर्ण वातावरण देखने को मिला। राखी बांधने के बाद पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने सभी ब्रह्मकुमारी बहनों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र स्नेह, विश्वास और एक-दूसरे की सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। यह पर्व समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी विश्वास को मजबूत करने का संदेश देता है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस विभाग जनसुरक्षा के साथ-साथ समाज में शांति, सौहार्द और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने ब्रह्मकुमारी बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया और उनके द्वारा दिए गए स्नेह, राखी एवं शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान रक्षाबंधन पर्व की खुशियों के बीच आपसी सद्भाव और भाईचारे का संदेश भी दिया गया।

गांधी पार्क में गूंजा भाईचारे का संदेश, मंत्री गुलाब देवी ने स्वयंसेवकों को बांधी राखी

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सुभाष शाखा की ओर से शुक्रवार को स्टेशन रोड स्थित गांधी पार्क में रक्षाबंधन पर्व धूमधाम और गरिमामयी वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी पार्क परिसर में भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके बाद मंत्री गुलाब देवी ने शाखा के स्वयंसेवकों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीघार्यु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने स्वयंसेवकों को मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं भी दीं।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं है, बल्कि यह कर्तव्य, समर्पण और समाज की रक्षा के संकल्प का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक राष्ट्र की एकता, अखंडता और समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। गांधी पार्क में राष्ट्रभक्त स्वयंसेवकों को रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें गौरव की अनुभूति हो रही है। कार्यक्रम में संघ के मुख्य पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता अनिल शर्मा, कुलदीप लाला, तरुण, नीरज, ब्रजकिशोर, संदीप अक्षत, मुदित गर्ग, सुरेश सपड़ा, आशीष अग्रवाल, दिवाकर सक्सेना और प्रदीप बिसारिया आदि मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने मंत्री गुलाब देवी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ अपनी संस्कृति और त्योहारों के माध्यम से समाज में समरसता, भाईचारे और एकता का संदेश देता है। उत्सव के दौरान संघ की परंपरा के अनुसार सामूहिक गीत और अमृत वचन का वाचन किया गया। इसके बाद प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर सुभाष शाखा के मुख्य शिक्षक आशीष अग्रवाल, कार्यवाह बृज किशोर सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी ने बहजोई और चन्दौसी में लिया जायजा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने बहजोई और चन्दौसी कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। एसपी ने बहजोई के इस्लामनगर चौराहा तथा चन्दौसी के बदायूं चुंगी पहुंचकर मौके पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की ब्रीफिंग की और यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सतर्कता से चेकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्व के दौरान लगातार भ्रमणशील रहकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान बाजारों, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। महिलाओं एवं आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी करें और किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न होने दें। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा भीड़ बढ़ने की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए प्रभावी चेकिंग और लगातार पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने को कहा। एसपी के निरीक्षण के दौरान पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

त्योहार की भीड़ ने रोकी वाहनों की रफ्तार, यातायात पुलिस ने मोर्चा संभालकर दिलाई राहत

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों के आवागमन के चलते ओरछी चौराहा, थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र जनपद बदायूं में यातायात का दबाव अचानक बढ़ गया। वाहनों की अधिक संख्या और वाहन चालकों की जल्दबाजी के कारण कुछ ही समय में भीषण जाम की स्थिति बन गई। जाम का असर बढ़ते-बढ़ते जनपद संभल की सीमा में बेहतरी फाटक तक पहुंच गया। जाम में फंसे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलते ही संभल के प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल विशेष टीम गठित की और स्वयं मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था की कमान संभाली। उनके निर्देशन में मुख्य आरक्षी सोनू अहलावत, मुख्य आरक्षी सनी तोमर, मुख्य आरक्षी मनिंदर और आरक्षी आकाशदीप की टीम ने मोर्चा संभाला। टीम के एक हिस्से को पथरा मोड़ तथा दूसरे हिस्से को ओरछी चौराहा पर तैनात किया गया। पुलिसकर्मियों ने दोनों दिशाओं से आने-जाने वाले वाहनों को व्यवस्थित कर यातायात सुचारू कराने का प्रयास किया। इस दौरान यातायात पुलिस संभल ने बदायूं पुलिस के साथ बेहतर समन्वय बनाकर लगातार यातायात व्यवस्था संभाली। करीब दो से तीन घंटे की कड़ी मशक्कत, धैर्य और बेहतर टीमवर्क के बाद पुलिसकर्मियों ने भीषण जाम पर काबू पाया और यातायात को दोबारा सुचारू कराया। जाम खुलने के बाद राहगीरों और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली। स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों ने यातायात पुलिस संभल की तत्परता, सूझबूझ और सराहनीय कार्य की जमकर प्रशंसा की। लोगों ने कहा कि पुलिसकर्मियों की सक्रियता के चलते लंबे समय से लगे जाम से राहत मिल सकी।

रक्षाबंधन पर बहन काशवी ने भाई गर्व की कलाई पर बांधी राखी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रक्षाबंधन के पावन पर्व पर टीचर्स कॉलोनी हसनपुर में भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर बहन काशवी ने अपने भाई गर्व की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राखी बांधने के बाद भाई गर्व ने अपनी बहन को सदैव प्रेम, सम्मान और सहयोग देने का संकल्प लिया। इस दौरान दोनों भाई-बहन के बीच स्नेह और खुशी का माहौल रहा। परिवार के सदस्यों ने दोनों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्रेम, विश्वास, स्नेह और आपसी रिश्तों की मजबूती का प्रतीक है। इस अवसर पर काशवी और गर्व ने भी इस पवित्र रिश्ते की खूबसूरती को और मजबूत किया।

मजहब की दीवार से ऊपर भाई-बहन का प्यार, 31 वर्षों से राखी बांध रही मुंहबोली बहन

संभल(सब का सपना):- जनपद में जहां अक्सर हिंदू-मुस्लिम एकता को लेकर चचाएं होती रहती हैं, वहीं नगर के मोहल्ला हयातनगर में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते ने सामाजिक सौहार्द और आपसी प्रेम की खूबसूरत मिसाल पेश की है। समाजसेवी नाजिर खान पिछले 31 वर्षों से अपनी मुंहबोली बहन को रक्षाबंधन के अवसर पर घर बुलाकर उनकी कलाई से राखी बंधवाते आ रहे हैं। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर इस वर्ष भी नाजिर खान ने अपनी मुंहबोली बहन को अपने घर बुलाया। बहन ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। इसके बाद नाजिर खान ने बहन की रक्षा का वचन देते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया और मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। नाजिर खान ने बताया कि वह हर वर्ष रक्षाबंधन पर्व का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस त्योहार को लेकर उनका पूरा परिवार काफी उत्साहित रहता है। उन्होंने बताया कि उनके बच्चे भी अपनी मुंहबोली बुआ से राखी बंधवाकर बेहद खुश होते हैं और परिवार में त्योहार का माहौल बन जाता है। वहीं उनकी मुंहबोली बहन ने कहा कि नाजिर खान उनके लिए केवल भाई नहीं, बल्कि हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने वाले सच्चे भाई हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि नाजिर खान और उनका पूरा परिवार हमेशा सुखी और स्वस्थ रहे। उन्होंने कहा कि हर बहन को नाजिर खान जैसा भाई मिले। 31 वर्षों से चले आ रहे

इस भाई-बहन के रिश्ते ने एक बार फिर आपसी प्रेम, विश्वास और भाईचारे का संदेश दिया है। दोनों के बीच स्नेह और सम्मान की नगरवासियों ने भी सराहना की। लोगों का कहना है कि ऐसे रिश्ते समाज में सौहार्द और एकता को मजबूत करने का काम करते हैं।

रक्षाबंधन पर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की दिखी खूबसूरत झलक

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- शुक्रवार को पूरे भारतवर्ष मे मनाये जा रहे रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का रिश्ता एक बार फिर जीवंत नजर आया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर प्रेम और विश्वास की राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि एवं लंबी उम्र की कामना की, वहीं भाइयों ने बहनों की रक्षा और हर सुख-दुख में साथ निभाने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच जीवनभर कायम रहने वाले प्रेम, सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस अवसर पर घर-परिवारों में उत्साह का माहौल रहा और मिठाइयों के साथ एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी गईं। रक्षाबंधन के अवसर पर सभी ने एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाई-बहन का रिश्ता प्रेम और विश्वास की ऐसी डोर है, जो जीवन के हर पड़ाव पर मजबूती से जुड़ी रहती है। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली की कामना की।

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षो में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्राय: जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्राय: यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुन: 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यत: ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।
- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अत: कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

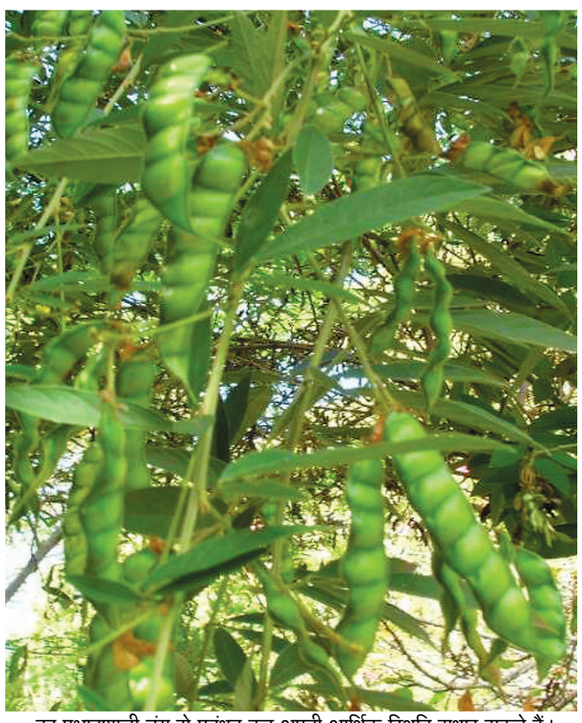

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

प्लॉट का कब्जा दो या जमा पूंजी 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाओ', मोहाली में बिल्डर को उपभोक्ता फोरम का आदेश

मोहाली। सेक्टर-86 स्थित प्रीत सिटी में प्लॉट खरीदने के बाद करीब 14 साल से कब्जे का इंतजार कर रही महिला उपभोक्ता को राहत मिली है। उपभोक्ता फोरम ने मामले की सुनवाई करते हुए बिल्डर प्रीत लैंड प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को दो महीने के भीतर 10 मरले के प्लॉट का कब्जा देने का आदेश दिया है। फोरम ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि बिल्डर कब्जा देने में असमर्थ रहता है तो उसे उपभोक्ता द्वारा जमा कराई गई पूरी राशि 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित वापस करनी होगी। आदेश का पालन करने में देरी होने पर ब्याज की दर 12 प्रतिशत वार्षिक होगी।शिकायतकर्ता अमृतसर निवासी गुरिंदर कौर को 19 जुलाई 2010 को सेक्टर-86, एसएएस नगर स्थित प्रीत सिटी में 10 मरले का प्लॉट नंबर 388 आवंटित किया गया था। प्लॉट की कीमत 5.75 लाख रुपये थी, जबकि बाहरी विकास शुल्क, लाइसेंस शुल्क और विकास निधि मिलाकर कुल राशि 13.25 लाख रुपये निर्धारित की गई थी।बाद में 6 फरवरी 2012 को बिल्डर ने शिकायतकर्ता को 10 मरले का प्लॉट आवंटित कर दिया। शिकायतकर्ता ने बिल्डर को पूरी 13.25 लाख रुपये की राशि का भुगतान कर दिया। अंतिम भुगतान 28 जुलाई 2014 को किया गया था। इसके बावजूद उसे न तो विकसित प्लाट का वास्तविक कब्जा मिला और न ही राशि वापस की गई।

बिल्डर ने बताया कि संबंधित प्लाट गमाडा के पास लंबित बाहरी विकास शुल्क की राशि की सुरक्षा के तौर पर बंधक रखा गया था और वित्तीय व्यवस्था न होने के कारण उसे बंधक-मुक्त नहीं कराया जा सका।

फोरम ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। फोरम ने कहा कि उपभोक्ता को प्लाट उपलब्ध कराना बिल्डर की जिम्मेदारी है और वह अनिश्चित समय तक कब्जे के लिए उपभोक्ता को इंतजार नहीं करवा सकता।

फोरम ने माना बिल्डर की ओर से सेवा में कमी हुई

फोरम ने माना कि बिल्डर की ओर से सेवा में कमी हुई है। हालांकि, गमाडा के खिलाफ शिकायत खारिज कर दी गई। फोरम ने बिल्डर को आदेश दिया कि दो महीने के भीतर प्लॉट का पूरा विकसित कब्जा आवश्यक मंजूरियों, स्वीकृतियों और पूर्णता और आवश्यक प्रमाणपत्रों के साथ सौंपे।

इसके साथ ही बिल्डर को 13.25 लाख रुपये की जमा राशि पर अलग-अलग तारीखों में किए गए भुगतानों के आधार पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज कब्जा सौंपने की तारीख तक देना होगा। कब्जा न देने की स्थिति में पूरी जमा राशि 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटानी होगी। इसके अलावा मानसिक परेशानी, उत्पीड़न और मुकदमेबाजी खर्च के लिए 1.50 लाख रुपये का संयुक्त मुआवजा देने का आदेश दिया है।

पुजारियों के बजाय भक्त खुद करेंगे कान्हा का अभिषेक, चंडीगढ़ में जन्माष्टमी पर पहली बार होगी ऐसी व्यवस्था

चंडीगढ़। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर शहर के मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर तैयारियां हो रही हैं। सेक्टर-20 स्थित श्री चैतन्य गौड़ीय मठ मंदिर में इस बार भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण का स्वयं अभिषेक करने का अवसर भी मिलेगा। मंदिर प्रबंधन के अनुसार इसके लिए वृंदावन से करीब 30 हजार करवे विशेष रूप से मंगवाए गए हैं। पहली बार पुजारियों के बजाय भक्त खुद कान्हा का अभिषेक कर सकेंगे। इससे जन्माष्टमी उत्सव में श्रद्धालुओं की सीधी भागीदारी बढ़ेगी। चार सितंबर को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी पर इस बार भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का विशेष अनुभव मिलेगा। सेक्टर-20 स्थित गौड़ीय मठ मंदिर में वृंदावन की झांकियों के साथ बाबा बफार्नी के दर्शन की भी व्यवस्था की जा रही है। मंदिर परिसर में फाइबर

से बाबा बफार्नी की विशेष झांकी तैयार की जा रही है। अमरनाथ यात्रा का रक्षाबंधन पर समापन होने के बाद शहर में ही बाबा बफार्नी के दर्शन का अवसर भक्तों को मिलेगा। जन्माष्टमी के लिए गौड़ीय मठ मंदिर में वृंदावन की तर्ज पर विशेष सजावट और झांकियां तैयार की जा रही हैं।इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने की तैयारी है। मंदिर प्रबंधन की ओर से इस बार लाइट एंड साउंड शो के साथ आफलाइन मंचन का मिश्रण किया गया है। हाईटेक अंदाज में दिखेगा द्रौपदी चीरहरण मंदिर में द्रौपदी चीरहरण का दृश्य भी विशेष आकर्षण रहेगा। इसमें द्रौपदी और साड़ी तथा भगवान श्रीकृष्ण की लीला को हाईटेक शो के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा, जबकि दुर्योधन की भूमिका कलाकार आफलाइन निभाएगा। इसके माध्यम से श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण की लीला का जीवंत अनुभव कराने का प्रयास किया जाएगा।ढाई घंटे में श्रीकृष्ण जन्म से कंस वध तक की लीला

सेक्टर-32 स्थित सनातन धर्म मंदिर में भी जन्माष्टमी पर विशेष कार्यक्रम होगा। शाम सात बजे से करीब ढाई घंटे के शो में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से पहले मां देवकी के विवाह, कारावास, श्रीकृष्ण जन्म और उनकी विभिन्न लीलाओं का मंचन किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन कंस वध के साथ होगा। वहीं, सेक्टर-45 स्थित गौशाला में जन्माष्टमी के अवसर पर भजन गायिका तेजस्वनी शर्मा भगवान श्रीकृष्ण के भजनों की प्रस्तुति देंगी। शहर के विभिन्न मंदिरों और धार्मिक संस्थानों में भी जन्माष्टमी को लेकर सजावट, झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां चल रही हैं।

चंडीगढ़ में नगर निगम सदन तुरंत हो भंग, कांग्रेस ने उठाई आवाज; दलबदल विरोधी कानून की भी मांग

चंडीगढ़। कांग्रेस ने वर्तमान नगर निगम हाउस को तुरंत भंग करने की मांग की है। प्रशासक से केंद्र सरकार के साथ विचार-विमर्श कर नगर निगम अधिनियम में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एचएस लक्की ने कहा कि नए निगम चुनाव, सुधार लागू होने के बाद ही करवाए जाने चाहिए। लक्की ने नगर निगम में दलबदल विरोधी कानून लागू करने, मेयर का कार्यकाल पांच वर्ष निर्धारित करने और मेयर का चुनाव सीधे जनता से करवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे नगर निगम में राजनीतिक स्थिरता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। खरीद-फरोख्त पर रोक लग सकेगी। लक्की ने कहा कि पिछले कई वर्षों में नगर निगम के कामकाज से शहरवासी निराश हुए हैं। भ्रष्टाचार के आरोप, पारदर्शिता की कमी, नियमों की अनदेखी और विवादित फैसलों ने चंडीगढ़ की छवि को प्रभावित किया है। हाल ही में सामने आए 227 करोड़ रुपये के टेबल एजेंडा विवाद का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। कांग्रेस के विरोध और जनता के दबाव के बाद भाजपा को एजेंडे वापस लेने पड़े।उन्होंने कहा कि 24ग7 पानी सप्लाई परियोजना, डड्डूमाजरा गारबेज प्लांट, कचरा प्रबंधन और मनीमाजरा से जुड़े मुद्दे भी चिंता का विषय हैं। लक्की ने कहा कि नगर निगम की बैठकों के संचालन के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाने चाहिए। हर एजेंडे पर उचित चर्चा और बहस हो। जनता के पैसे से जुड़े फैसलों में पारदर्शिता बरती जाए। मनोनीत पार्षद विशेषज्ञता के आधार पर बने नामित पार्षदों की भूमिका पर उन्होंने कहा कि पहले विशेषज्ञता के आधार पर इंजीनियरिंग, शहरी नियोजन, चिकित्सा, प्रशासन और रक्षा सेवाओं से जुड़े लोगों को नामित किया जाता था। उन्होंने मांग की कि भविष्य में भी नामांकन राजनीतिक आधार के बजाय विशेषज्ञता और चंडीगढ़ के व्यापक हितों को ध्यान में रखकर किया जाए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इन सुधारों का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि मजबूत, पारदर्शी और जवाबदेह नगर निगम व्यवस्था चंडीगढ़ के हित में आवश्यक है।

छेड़छाड़ केस में फंसे हैं पूर्व मंत्री संदीप सिंह, दुष्कर्म के प्रयास की धारा जोड़ने की मांग; महिला कोच ने कोर्ट में दी अर्जी

चंडीगढ़। यौन उत्पीड़न मामले में हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री व भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान संदीप सिंह के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास की धाराएं जोड़ने के लिए महिला कोच ने जिला अदालत में अर्जी दायर की है। इस पर चार नवंबर को सुनवाई होगी। पीड़िता का आरोप है कि यह मामला केवल यौन उत्पीड़न का नहीं हैं, उसके साथ दुष्कर्म का भी प्रयास हुआ है। इसलिए पूर्व मंत्री के खिलाफ आइपीसी की धारा 376 व 511 के तहत भी केस चलना चाहिए। हालांकि ऐसी ही अर्जी पहले चंडीगढ़ पुलिस ने भी दायर की थी

जोकि निचली अदालत ने खारिज कर दी थी। अब पीड़िता ने खुद यह मांग उठाई है। अभी संदीप सिंह के खिलाफ आइपीसी की धारा 354, 354-ए, 354-बी, 342, 506 और 509 के तहत केस चल रहा है।करीब चार साल पहले हरियाणा खेल विभाग की एथलेटिक्स कोच ने पूर्व मंत्री संदीप सिंह पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। उसकी शिकायत पर चंडीगढ़ पुलिस ने संदीप सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद उन्होंने खेलमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।शिकायत में महिला ने बताया था कि एक जुलाई 2022 को संदीप सिंह ने उसे अपने सेक्टर-7 स्थित सरकारी घर पर बुलाया था। वहां उन्होंने महिला से छेड़छाड़ शुरू कर दी थी और उसके कपड़े भी फाड़ दिए थे। महिला ने फिर चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी और केस दर्ज हुआ। हालांकि संदीप सिंह का कहना था कि महिला ने अपने ट्रांसफर के विरोध में उनके खिलाफ झूठी शिकायत दी थी।

होशियारपुर में हेड मास्टर ने 8वीं छात्रा को जबरन कार में बैठाया, फिर गोली खिलाकर किया दुष्कर्म

होशियारपुर। होशियारपुर जिले के अंतर्गत गांव अरनियाला शाहपुर स्कूल के सरकारी मिडिल स्कूल के हेडमास्टर अनुज वासुदेव पर 12 वर्षीय 8वीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। हरियाणा पुलिस स्टेशन में दी गई शिकायत में पीड़िता के पिता ने बताया कि उसकी बेटी कुछ दिनों से स्कूल नहीं जा रही थी। जब उसने अपनी बेटी से स्कूल न जाने का कारण पूछा तो उसकी बेटी ने रोते हुए उन्हें बताया कि उसके स्कूल का हेडमास्टर पिछले कई दिनों से मुझे परेशान कर रहा है। जो मेरे साथ शारीरिक छेड़छाड़ करता है। मेरे शरीर का गलत तरीके से इस्तेमाल करता है। और मुझे इस बारे में किसी को बताने पर स्कूल से निकलवाने की धमकी देता है। लड़की ने अपने पिता को बताया कि जब आपने मुझे 11 अगस्त को स्कूल छोड़ा था।उस दिन स्कूल का हेडमास्टर मुझे पूरा दिन परेशान करता रहा। उस दिन भी मेरे साथ यौन उत्पीड़न किया गया और स्कूल की छुट्टी के दौरान हेडमास्टर मुझे जबरदस्ती अपनी कार में डालकर अपने साथ ले गया। रास्ते में उसने श्मशान घाट के पास कार रोकी और जबरदस्ती मेरे मुंह में एक सफेद रंग की गोली डाल दी। उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया और यह सब करने के बाद, उसने उसे घर से 500 मीटर दूर कार से उतार दिया और चला गया। हरियाणा थाने की पुलिस ने लड़की के पिता के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की आगे की जांच में लगी हुई है।

रक्षाबंधन पर पंजाब की महिलाओं को मिला शगुन, सीएम बोले- 5.30 लाख महिलाओं के खातों में पहुंचे 181.50 करोड़

अमृतसर। रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब की महिलाओं को तोहफा देते हुए सत्कार योजना के तहत 5.30 लाख महिलाओं के खातों में 181.50 करोड़ रुपये की राशि भेजी। मुख्यमंत्री ने बाबा बकाला साहिब से प्रदेशवासियों को रखड़ पुन्नियां की बधाई देते हुए कहा कि सरकार ने राखी के मौके पर बहनों से किया वादा पूरा किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार अब तक प्रदेश की कुल 70.92 लाख माताएं और बहनें इस योजना का लाभ ले चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सम्मान और आर्थिक मदद के लिए लगातार काम कर रही है।मुख्यमंत्री भगवंत मान अपनी बहन से राखी बंधवाते हुए। सरकार की उपलब्धियां गिनाईं भगवंत मान ने कहा कि पंजाब अब दोबारा तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के करीब 90 प्रतिशत घरों के

बिजली बिल शून्य आ रहे हैं। किसानों को खेतों के लिए नहरी पानी उपलब्ध कराने की दिशा में भी सरकार की ओर से काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने रोजगार के आंकड़े साझा करते हुए कहा कि उनकी सरकार अब तक 70,840 युवाओं को सरकारी नौकरियां दे चुकी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार मिलने से हजारों परिवारों के जीवन में बदलाव आया है। सरकारी स्कूलों के परिणाम का किया जिक्र मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 882 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास की है। उनके अनुसार शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं।भगवंत मान ने कहा कि बिजली, सिंचाई, रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से पंजाब फिर विकास की पटरी पर लौट रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश जल्द ही देश का नंबर वन राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

लुधियाना में जासूस गिरफ्तार, दुकान के बाहर कैमरे लगाकर पाकिस्तान भेज जा रहा था लाइव फीड; सेना शिविर पर थी नजर

लुधियाना। पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। लुधियाना पुलिस ने फिरोजपुर रोड पर सीसीटीवी कैमरों के जरिये निगरानी करने और उनकी लाइव फीड पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपित की पहचान गुरदासपुर के फतेहगढ़ चूड़ियां के सरफ कोट निवासी रछपाल सिंह के रूप में हुई है। मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा होने के कारण जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, उप निरीक्षक अर्शदीप सिंह पुलिस टीम के साथ इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि न्यू सुंदर नगर में मेडिसिटी अस्पताल के सामने स्थित एक दुकान के बाहर ऐसे आधुनिक कैमरे लगाए गए हैं, जिनका डिजिटल नियंत्रण पाकिस्तान में बैठे संदिग्ध संचालकों के पास है।सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रछपाल सिंह को पकड़ लिया। पुलिस अब

कैमरों की तकनीकी व्यवस्था और उनके संचालन से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।महत्वपूर्ण इलाकों पर नजर का शक

पुलिस को संदेह है कि इन कैमरों के माध्यम से फिरोजपुर रोड और आसपास के क्षेत्रों की गतिविधियों, बद्दोवाल सेना शिविर, लोगों की आवाजाही और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर नजर रखी जा रही थी। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कैमरों की लाइव फीड वास्तव में किन लोगों तक पहुंच रही थी और इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा था।पुलिस को यह भी आशंका है कि इस नेटवर्क के जरिये धमकी भरे संदेश या फोन करने के लिए जरूरी जानकारी जुटाई जा रही हो सकती है। हालांकि इन आशंकाओं की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

विदेशी संपर्कों की जांच

पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान उसके संपर्कों, कैमरों की तकनीकी व्यवस्था, विदेश में बैठे संदिग्ध संचालकों से बातचीत और कथित आर्थिक मदद के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि इस नेटवर्क से और कितने लोग जुड़े हो सकते हैं।

लुधियाना में सांप के डसने से बहन के बाद भाई की भी मौत, रक्षाबंधन से पहले घर में पसरा मातम

रायकोट। गांव बसियां में मंगलवार देर रात सांप के डसने से हुई छह वर्षीय बच्ची की मौत के बाद बुधवार रात उसके आठ वर्षीय भाई की भी मौत हो गई। बताने योग्य है कि दोनों भाई-बहन जसप्रीत कौर व जोबनप्रीत सिंह घर के आंगन में परिवार के साथ सो रहे थे, जिन्हें मंगलवार देर रात सांप ने डस लिया था। जोबनप्रीत सिंह ने रात तीन बजे उठकर दादी को बताया था कि उसको किसी चीज ने काटा है, जब चारपाई के नीचे देखा तो सांप था। इसके बाद उसे पहले सिविल अस्पताल रायकोट में भर्ती करवाया गया, इसके बाद गंभीर हालत में उसे लुधियाना के सीएमसी अस्पताल भेज दिया गया, जहां उसकी बुधवार रात को मौत हो गई।वहीं, जसप्रीत कौर की तबीयत बुधबार सुबह पांच बजे खराब हुई थी, जिसके बाद उसे सिविल अस्पताल रायकोट पहुंचाया गया लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। दोनों मृतकों का वीरवार को गमगीन माहौल के बीच अंतिम संस्कार कर दिया गया।रक्षाबंधन से एक दिन पहले हुई इस दर्दनाक घटना से पूरे इलाके में शोक है। बच्चों के संस्कार के दौरान परिवार का रो-रोकर बुरा हाल था। श्मशानघाट में मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम थीं। इस दौरान लोगों में प्रशासन के प्रति भी रोष देखने को मिला। लोगों ने कहा कि परिवार पर आई इस दुख की घड़ी में कोई भी प्रशासनिक अधिकारी या राजनीतिक नेता परिवार के साथ दुख साझा करने नहीं पहुंचा। वहीं परिवार ने बताया कि एंबुलेंस के ड्राइवर ने सीएमसी जाने में ही डेढ से दो घंटे लगा दिए, क्योंकि वह 30 की स्पीड में एंबुलेंस चला रहा था। पहले जोबनप्रीत बात कर रहा था लेकिन मुल्लांपुर से आगे जाते हुए वह बेसुध हो गया, इसके बाद ड्राइवर ने गाड़ी तेज चलाई। रायकोट सिविल अस्पताल में नहीं था एंटी वेनम इंजेक्शन परिवार ने आरोप लगाया कि जोबनप्रीत की जान बचाई जा सकती थी पर घटना के दो घंटे तक सिविल अस्पताल रायकोट में उसे बिना ट्रीटमेंट के रखा गया। उन्होंने कहा कि रायकोट सिविल अस्पताल में सांप के डसने के बाद लगाई जाने वाला 'एंटी वेनम' इंजेक्शन नहीं था। दो घंटे बाद बिना इलाज के उसे सीएमसी अस्पताल में रेफर किया गया।

बाबा बकाला में सुखबीर बादल का विपक्ष पर हमला, बोले- अकाली दल कमजोर हुआ तो पंजाब के अधिकारों पर बढ़ा खतरा

बाबा बकाला साहिब। रक्खड़ पुन्नियां मेले के दौरान शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने माझा को पार्टी का मजबूत गढ़ बताते हुए कार्यकताओं से अकाली दल को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि माझा के लोगों ने हमेशा अकाली दल का साथ दिया है। पंजाब के मौजूदा राजनीतिक हालात पर उन्होंने कांग्रेस समेत अन्य दलों पर भी निशाना साधा। सुखबीर बादल ने अस्सी के दशक के दौर का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पंजाब ने तबाही का दौर देखा और कई परिवारों ने अपने बच्चों को खोया। इसके विपरीत उन्होंने अकाली दल की सरकारों के दौरान प्रदेश में अमन-शांति, भाईचारिक सांझ और विकास का माहौल होने का दावा किया।उन्होंने

कहा कि अकाली दल की सरकारों के दौरान गुंडागर्दी पर लगाम लगी और लोगों में सुरक्षा की भावना थी। सुखबीर ने दावा किया कि पिछले करीब दस वर्षों में पंजाब विकास के मामले में पीछे चला गया है।अकाली दल को कमजोर करना निशाना

सुखबीर बादल ने कहा कि पंजाब की लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां अकाली दल के खिलाफ बोल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि अन्य दल एक-दूसरे के खिलाफ उतना मुखर नहीं होते, जितना शिरोमणि अकाली दल को निशाना बनाया जाता है। उनके अनुसार इसका उद्देश्य पंजाब की क्षेत्रीय पार्टी को कमजोर करना है।उन्होंने कहा कि अकाली दल केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि पंजाब की क्षेत्रीय आवाज है। पंजाब के हितों और क्षेत्रीय अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी को मजबूत करना जरूरी है।

पंथक संस्थाओं को लेकर जताई चिंता

सुखबीर ने कहा कि जब अकाली दल मजबूत था तो केंद्र सरकार की हिम्मत नहीं थी कि वह गुरुद्वारा प्रबंध में दखल दे। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कमजोर होने के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को कमजोर करने और हरियाणा में अलग गुरुद्वारा प्रबंध की व्यवस्था जैसे कदम सामने आए। उन्होंने कहा कि अकाली दल को कमजोर करने का सीधा असर पंजाब के अधिकारों और पंथक संस्थाओं पर पड़ता है। कार्यकताओं से उन्होंने पार्टी को मजबूत करने और पंजाब की क्षेत्रीय आवाज को बुलंद रखने का आह्वान किया।

चंडीगढ़ कैसे होगा अतिक्रमण मुक्त? पुराने ठिकानों पर ही अड़े स्ट्रीट वेंडर्स; सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी बेअसर

चंडीगढ़। शहर को स्ट्रीट वेंडर मुक्त करने और वेंडर्स को निर्धारित वेंडिंग जोन में शिफ्ट करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद नगर निगम की मुहिम प्रभावी होती नजर नहीं आ रही है। निगम ने करीब दो माह की मशक्कत के बाद शहर में 12 नए वेंडिंग जोन तैयार किए हैं। करीब दो सप्ताह से वेंडर्स को इन जोन में शिफ्ट करने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन इसके बावजूद प्रमुख बाजारों और व्यस्त क्षेत्रों में बड़ी संख्या में वेंडर्स पहले की तरह बैठे दिखाई दे रहे हैं। नगर निगम की टीमें रोजाना करीब 100 वेंडर्स को हटाने का दावा कर रही हैं। कार्रवाई के दौरान निगम की गाड़ियां वेंडर्स का सामान उठाकर उन्हें मौके से हटाती हैं, लेकिन टीम के जाते ही ज्यादातर वेंडर्स दोबारा उसी स्थान पर बैठ जाते हैं। सेक्टर-17 वेंडर फ्री है डीसी ऑफिस के पास ही बहुत से वेंडर आज भी बैठ रहे हैं।सेक्टर-9 में भी कई पराठे वाले और दूसरे वेंडर हटाने के बाद भी रोजाना बैठ रहे हैं। इससे निगम की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। शहर के मुख्य बाजारों और प्रमुख क्षेत्रों में अब भी फुटपाथ और सड़कों के किनारे वेंडिंग होने से पैदल राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कार्रवाई पर भेदभाव के आरोप

निगम की कार्रवाई को लेकर भेदभाव के आरोप भी सामने आ रहे हैं। आरोप है कि कुछ प्रभावशाली और अच्छा कारोबार करने वाले वेंडर्स पर कार्रवाई नहीं की जा रही, जबकि शहर के दूर-दराज सेक्टरों में छोटे वेंडर्स को हटाया जा रहा है। अगर निगम को सुप्रीम कोर्ट के आदेश को प्रभावी तरीके से लागू करना है तो कार्रवाई सभी के खिलाफ समान रूप से करनी होगी। किसी एक क्षेत्र में कार्रवाई और दूसरे स्थान पर ढील देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा।

फरीदकोट में बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म के बाद बेरहमी हत्या, पुलिस ने 24 घंटे के अंदर आरोपी को दबोचा

फरीदकोट। स्थानीय अनाज मंडी में पिछले 15 से 20 वर्षों से लावारिस हालत में रह रही बुजुर्ग महिला का बुधवार रात्रि बेरहमी से कत्ल करने वाले आरोपित को पुलिस ने काबू कर लिया है। मंडी मजदूरी करने वाले व्यक्ति ने नशे की हालत में पहले महिला से दुष्कर्म और फिर उसका कत्ल किया। फिलहाल पुलिस ने उसके खिलाफ अगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एसपी (इनवेस्टिगेशन) नरिंदर सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि नई अनाज मंडी में पिछले काफी समय से लावारिस हालत में रह रही लगभग 65 वर्षीय महिला की किसी ने बेरहमी से हत्या कर दी है। जिसके पश्चात एसपी तरलोचन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच का मामले की छानबीन शुरू कर दी थी। उन्होंने बताया कि मृतक महिला की लाश पुलिस को अर्द्धनग्न हालत में मिली थी। पुलिस द्वारा की गई तफ्तीश के आधार पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों और तकनीकी डाटा की मदद से 24 घंटे के अंदर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस जांच के दौरान हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले व्यक्ति की पहचान स्थानीय जोत राम कॉलोनी निवासी राजू पुत्र बिहारी लाल के रूप में हुई है। आरोपित की आयू भी करीब 50 वर्ष है और वह मंडी में ही मजदूरी करता था।पुलिस के अनुसार आरोपित ने नशे की हालत में उक्त महिला के साथ पहले दुष्कर्म किया और उसके द्वारा विरोध करने के चलते उसके सिर और शरीर के अन्य अंगों पर ईंट से वार करके उसकी हत्या कर दी। आरोपित से पूछताछ जारी है और मृतक महिला की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

रक्खड़ पुन्नियां मेले में चन्नी का सरकार पर हमला, रंधावा का अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर वार

अमृतसर। रखड़ पुन्नियां मेले के दौरान बाबा बकाला साहिब में आयोजित कांग्रेस रैली में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर भ्रष्टाचार, नशे और रेत खनन को लेकर गंभीर आरोप लगाए। वहीं, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने के साथ कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर भी अपनी बात रखी। चरणजीत सिंह चन्नी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने श्री अकाल तख्त साहिब के साथ टकराव का रास्ता अपनाया और उनके अनुसार मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री और विधायक श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के समक्ष पेश हुए, लेकिन मुख्यमंत्री वहां नहीं पहुंचे।उन्होंने सरकार पर नशे, रेत खनन और

भ्रष्टाचार को लेकर भी निशाना साधा। पीजीआइ में 19 करोड़ रुपये की खरीदी गई एमआरआइ मशीन का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि फरीदकोट में ऐसी मशीन 29 करोड़ रुपये में खरीदी गई, जो पंजाब में कथित वित्तीय अनियमितताओं का उदाहरण है। रंधावा ने पुलिस को दी चेतावनी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी कांग्रेसी को बेवजह थाने में बंद किया गया तो पार्टी थाने का घेराव करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिस अधिकारी गैंगस्टरों के साथ मिले हुए हैं। वड़िंग पर साधा निशाना रंधावा ने बिना नाम लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसा नेतृत्व नहीं चाहिए जो सरकार के साथ समझौता करके चले। उन्होंने मंच पर बैठे नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि जो लोग कांग्रेस के साथ हैं, वे कभी पार्टी की पीठ नहीं दिखाते। रैली में दोनों नेताओं के बयानों से कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति और पंजाब सरकार के खिलाफ पार्टी के तेवर दोनों चर्चा में रहे।

सूजन, इंफेक्शन और शुगर को कम करती हैं इमली की पत्तियां

इमली में औषधीय गुण होते हैं, इससे हम सभी वाकिफ हैं, लेकिन इमली की पत्तियां भी बेकार नहीं हैं। कई ऐसे घरेलू नुस्खे हैं, जिसमें इमली की पत्तियों का इस्तेमाल कर सेहत की समस्याओं में राहत मिलती है। इमली की पत्तियों में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। जब इमली की पत्तियों का रस निकाला जाता है और घावों पर लगाया जाता है, तो ये घाव को तेजी से ठीक करता है। इसके पत्तों का रस किसी भी अन्य संक्रमण और परजीवी विकास को रोकता है। इसके अलावा यह नई कोशिकाओं का निर्माण भी तेजी से करता है।

- इमली की पत्तियों के अर्क से स्तनपान कराने वाली माताओं में स्तन के दूध की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इमली की पत्तियों का अर्क जननांग के संक्रमण को रोकता है और इसके लक्षणों से राहत प्रदान करने में भी उपयोगी है।
- इमली की पत्ती विटामिन सी का भंडार होती हैं, जो कि किसी भी सूक्ष्मजीव के संक्रमण से शरीर की रक्षा करती है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।
- पत्तियों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए पपीता, नमक और पानी को पत्तियों में मिलाया जा सकता है, लेकिन, सुनिश्चित करें कि आप बहुत अधिक नमक का उपयोग नहीं करते हैं।
- इमली की पत्तियों में सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं और जोड़ों के दर्द और अन्य सूजन के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इमली की पत्तियों का सेवन करने से शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और इंसुलिन संवेदनशीलता भी बढ़ जाती है। इससे शुगर की बीमारी (मधुमेह) में राहत मिलती है। यह पीलिया को ठीक करने में भी मदद करती है।
- स्कर्वी विटामिन सी की कमी के कारण होता है। यह नाविक की बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, आमतौर पर स्कर्वी मसूड़ों और नाखूनों, थकान आदि जैसे लक्षणों के साथ होता है। इमली के पत्तों में उच्च एस्कॉर्बिक एसिड सामग्री होती है, जो एंटी-स्कर्वी विटामिन के रूप में कार्य करती है।

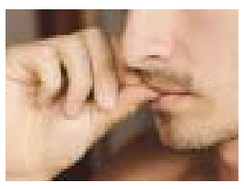

घर में मैनीक्योर करते समय न करें ये गलतियां

घर में मैनीक्योर करने की विधि के वक्त आप गलतियां न करें, उसके लिए उन्हें जान लेना जरूरी है।

नाखूनों को ज्यादा छोटा न करें

कई बार महिलाएं नाखूनों को ज्यादा छोटा कर देती हैं। जरूरी नहीं कि मैनीक्योर के वक्त नाखूनों को काटना ही हैं। अगर आपके नाखून पहले से ही छोटे हैं, तो उन्हें न काटें। बस फाइल के जरिए उन्हें सही आकार दें। अगर आपके नाखून बहुत लंबे हैं, तो बस उन्हें आधा काटें और फिर उन्हें सही आकार दें। नाखूनों को बहुत छोटा करने से लुक खराब हो सकता है।

क्यूटिकल्स को ट्रिम करने से बचें

क्यूटिकल त्वचा कोमल होती है। आपको उन्हें पूरी तरह से काटने की आवश्यकता नहीं है, बस उन्हें थोड़ा पीछे कर दें। अगर आपको लगता है कि आपको बहुत क्यूटिकल है तो हर दिन नहाते वक्त उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश करें। जब आप शॉवर लेते हैं, तो आपके क्यूटिकल्स नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें पीछे धकेलना आसान हो जाता है।

फाइलर का उपयोग ध्यान से करें

अपने नाखूनों को आकार देने के लिए फाइलर का उपयोग ध्यान से करें। फाइलर को हर दिशा में न घुमाएं, बल्कि जब आप एक तरफ से नाखून को फाइल करना शुरू करते हैं, तो उसी तरफ से पूरे नाखून को फाइल करें।

नाखूनों को अच्छे से साफ करना न भूलें

नेल पॉलिश लगाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके नाखूनों में मॉइस्चराइजर, पानी या गंदगी तो नहीं है। उन्हें अच्छी तरह से साफ करने के लिए एक लिंट-फ्री वाइप और नॉन-एसीटोन नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल करें।

नेल पोलिश की ज्यादा मोटी लेयर न लगाएं

जब नेल पॉलिश लगाएं, तो ध्यान रहे कि आप नेल पॉलिश की ज्यादा मोटी परत न लगाएं और लगातार दो कोट न लगाएं, वरना पॉलिश खराब हो सकती है। एक कोट लगाने के बाद जब नेल पॉलिश सूख जाए, तो दूसरा कोट लगाएं। नाखूनों को मोड़कर नेल पॉलिश न लगाएं, नहीं तो आपकी नेल पॉलिश खराब हो सकती है। इसके अलावा, ध्यान रहे कि आप नाखूनों के कोने से लेकर सिरे तक अच्छे से नेल पॉलिश लगाएं।

जब आपको सही तरीके से मैनीक्योर करने की विधि पता हो और आपके पास मैनीक्योर की सामग्री मौजूद हो, तो घर में मैनीक्योर करना बहुत आसान हो जाता है। इससे न सिर्फ वक्त बचता है, बल्कि पैसे की भी काफी बचत हो सकती है। इन तमाम नियमों का पालन कर आप घर में खुद से मैनीक्योर करके देखें और हमारे साथ अपने अनुभव कमेंट बॉक्स में शेयर करना न भूलें। इसके अलावा, अगर आपके पास भी मैनीक्योर एट होम के कुछ अन्य टिप्स हैं, तो हमारे साथ जरूर शेयर करें।

रेसिपी

मेथी का रायता

सामग्री

■ ताजी मेथी: 50 ग्राम ■ गाढ़ा दही: 1 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ लहसुन की कलियां: 4-5 बारीक कटी ■ चाट मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक: 1/2 टीस्पून ■ चीनी: 1/4 टीस्पून ■ रेड चिली पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून ■ धनिया पत्ती: 1 टेबलस्पून बारीक कटी

विधि

बोल में दही निकालकर उसमें थोड़ा पानी मिलाकर अच्छी तरह चलाकर अलग रख दें। फ्राइंगपैन में एक टेबलस्पून ऑलिव डालकर गर्म करें। इसमें प्याज, लहसुन और मेथी डालकर भून लें। ऊपर से नमक, चीनी, रोस्टेड जीरा और चाट मसाला डालकर मिलाएं। तड़का लगाने के लिए तड़के की सामग्री एक-एक कर डालें और दही वाले बोल में डालकर मिलाएं। धनिया से गार्निश करें।

स्पाइसी बीन कबाब

सामग्री

■ आधा प्याज बारीक कटा हुआ ■ 4-6 बारीक कटा लहसुन ■ उबला व बचा हुआ राजमा : 2 कप ■ ओट्स: 1 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स आधी हैलेपीन्यो (पिज्जा में इस्तेमाल होने वाली विनेगर वाली मिर्च): 1/2 कप ■ कॉर्न : 1/2 कप ■ रेडीमेड स्पाइसी मस्टर्ड सॉस: 2 टेबलस्पून ■ रोस्टेड जीरा: 1 टेबलस्पून ■ सोय सॉस: 1/4 कप ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक और काली मिर्च पाउडर स्वाद के अनुसार ■ कुछ धनिया

विधि

एक बड़े बोल में सारी सामग्री डालकर एक साथ मिलाएं। इस मिश्रण में मनचाहे आकार के कबाब बनाकर दो घंटे के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। अब फ्रिज से निकालकर इन्हें शैलो फ्राई कर लें। तैयार कबाब को हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन — दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3992

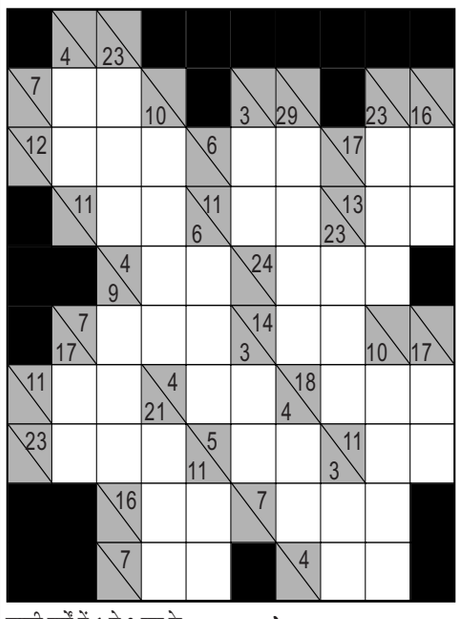

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

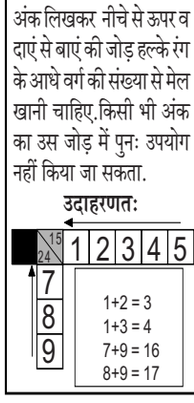

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3991 का हल

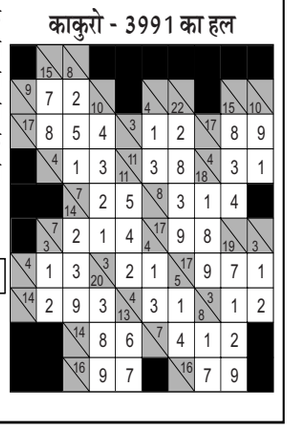

हंसी के फव्वारें

रामू के घर से चिट्ठी आयी.

राजी-खुशी के समाचार के बाद लिखा था कि उसकी घरवाली ने लड़के को जन्म दिया है. इसी खुशी में रामू ने सबको मिठाई बांटी. फिर अगले दिन जब वह सामान बांधने लगा तो उसके मित्र ने पूछा- ''रामू घर जा रहे हो ?''

''हां !''

फिर उदास होता हुआ बोला-''दो वर्ष हो गये घर की शक्ल देखे ! अब सोचा कि कुछ दिन के लिए हो ही आऊं.''

□ □ □

टेलीफोन रखकर डाक्टर ने झपटकर अपना थैला उठाया और हड़बड़ाकर बाहर जाने लगा. डाक्टर की जवान बेटी अन्दर आ रही थी. उसने पिता को हड़बड़ी में देखकर पूछा-''इतनी जल्दी आप कहां जा रहे हैं, पिताजी ?''

''एक टेलीफोन आया था !'' डाक्टर बोला -''इमरजेंसी कॉल है शायद ! एक आदमी कह रहा था-'मैं मरा जा रहा हूं, आप यहां फौरन आ जाएँ'.''

इस पर डाक्टर की बेटी ने शरमाकर कहा-''तब वह आपका नहीं, मेरा टेलीफोन रहा होगा, पिताजी !''

□ □ □

जज -'मुजरिम, तुमने झूठ बोलने की कोशिश की है.'

मुजरिम -'माई-बाप, वकील के होते मुझे क्या जरूरत पड़ी है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3992

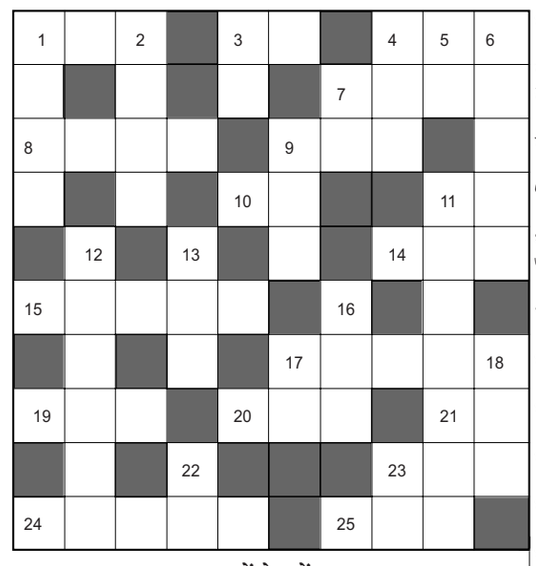

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3991

वि	वा	ह		इ	श्क	वि	श्क		टा
द्या		मे		श्क		धा		फ	र्ज
बा	द	शा	ह		शै	ता	न		न
ल			सी	मा			का	ल	
न	ज	र	ना		श	बा	ब		सं
	मी	ना		ना	य	ज		दा	ता
आ	न		का		बी		ना	दा	न
शि		जो	शी	ले		फि	जा		
क	शि	श		कि	ला		य	हू	दी
	वा		डॉ	न		आ	ज		पा

सूडोकु -3992

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3991 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3992

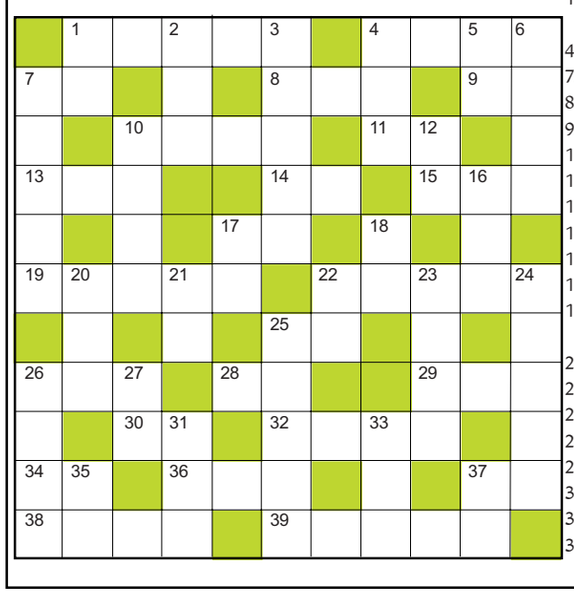

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 3991 का हल

आ	ला	क	मा	न			क	मी	ज
रा	ल		न		श	प	थ		मा
म			ध	नि	क		न		लि
दे	ह	दा	न			अ		ल	क
ह		खि		बे	शु	मा	र		ह
	सा	ल		ल		न		सु	र
	हि		ब	गा	व	त		र	हा
ज	ल	न		म			अ	भि	मा
ग			चु		रा	ज	न		
त	र		ना	ह	क		ब		चा
	ब	हा	ब			म	न	मो	ह

रुबीना दिलैक ने याद किया 'खतरों के खिलाड़ी' का सफर

टीवी की दुनिया में रुबीना दिलैक अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। छोटे पर्दे पर डांस से लेकर खतरनाक स्टंट तक, उन्होंने हर जगह अपनी क्षमता दिखाई है। इस कड़ी में उन्होंने बुधवार को अपने पुराने स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़ी यादों को सोशल मीडिया पर साझा किया है। रुबीना ने शो के दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो एक साथ शेयर किए। इनमें उनके स्टंट, दोस्तों के साथ बिताए पल और शो के दौरान उनका अलग अंदाज देखने को मिला। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें तस्वीरें और कुछ छोटे-छोटे क्लिप्स शामिल हैं। इस वीडियो में वह अलग-अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह ओरी और जैस्मिन भसीन के साथ मस्ती करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ वीडियो में वह शो के मुश्किल स्टंट करती नजर आती हैं। पोस्ट में उनका फैशन स्टाइल भी देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों के साथ रुबीना ने लिखा, ' 'हर दिन इस सवाल के साथ भरा होता था कि अब आगे क्या होगा, लेकिन हमारे दिल हंसी, खुशी के आंसुओं और डर से भरे रहते थे।'' 'खतरों के खिलाड़ी' ऐसा रियलिटी शो है, जिसमें मनोरंजन की दुनिया से जुड़े सितारे अपने डर का सामना करते हैं। शो में कंटेस्टेंट्स को ऐसे स्टंट दिए जाते हैं, जिनमें कई बार ऊंचाई, पानी, रफ्तार और अलग-अलग तरह की मुश्किल परिस्थितियां शामिल होती हैं। हर स्टंट के दौरान कलाकारों को अपने डर पर काबू पाना पड़ता है। यही वजह है कि शो में सिर्फ शारीरिक ताकत ही नहीं, बल्कि हिम्मत और दिमाग का इस्तेमाल भी जरूरी होता है।

भारत में इस शो की शुरुआत 'फियर फैक्टर इंडिया' के नाम से हुई थी। बाद में इसे 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' नाम मिला। शो का पहला सीजन 21 जुलाई 2008 को आया था। साल 2020 में इसका स्पिन-ऑफ 'खतरों के खिलाड़ी: मेड इन इंडिया' भी शुरू किया गया था। शो के पिछले सीजन यानी 'खतरों के खिलाड़ी 14' की शूटिंग रोमानिया में हुई थी। इस सीजन के विजेता करणवीर मेहरा रहे थे, जबकि कृष्णा श्रॉफ रनर-अप बनी थीं। रुबीना दिलैक के करियर की बात करें तो उन्होंने टीवी पर अपनी शुरुआत 'छोटी बहू' से की थी। इस शो में उनके किरदार को काफी पसंद किया गया और वह जल्द ही घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'सास बिना ससुराल', 'पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद', 'देवों के देव...महादेव', 'जीनी और जूजू' और 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की' जैसे कई शोज में काम किया।

'शक्ति' में रुबीना के किरदार को खास लोकप्रियता मिली। इसके बाद उन्होंने रियलिटी शोज की दुनिया में भी अपनी जगह बनाई। वह 'बिग बॉस 14' की विजेता रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12' और 'झलक दिखला जा 10' में भी हिस्सा लिया। रुबीना ने फिल्मों में भी कदम रखा। साल 2022 में उन्होंने राजपाल यादव और हितेन तेजवानी के साथ फिल्म 'अर्ध' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया। इसके अलावा वह होस्ट के तौर पर भी नजर आईं। उन्होंने 'द वार्ड' को होस्ट किया, जिसमें 10 गर्भवती महिलाओं के मां बनने के सफर को दिखाया गया।

फिर सायरा के किरदार में नज़र आएंगी कुब्रा सैत

शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीज़न में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनज़र कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गईं कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फ़र्ज़ी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है।

तस्वीरों के साथ उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा है, 'क्या ये झूठी खबर है ?' लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, 'हाँ यार! 'आख़िरकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फ़र्ज़ी 2' की शुरुआत करते हैं!' कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, 'चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं!' फिलहाल इस पोस्ट के ज़रिये शो को लेकर कुब्रा की खुशी और उत्साह, साफ नज़र आ रहा है। वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीज़न के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतज़ार के खत्म होने और दूसरे सीज़न की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और ज़ाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीज़न में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीज़न में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज़ 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था।

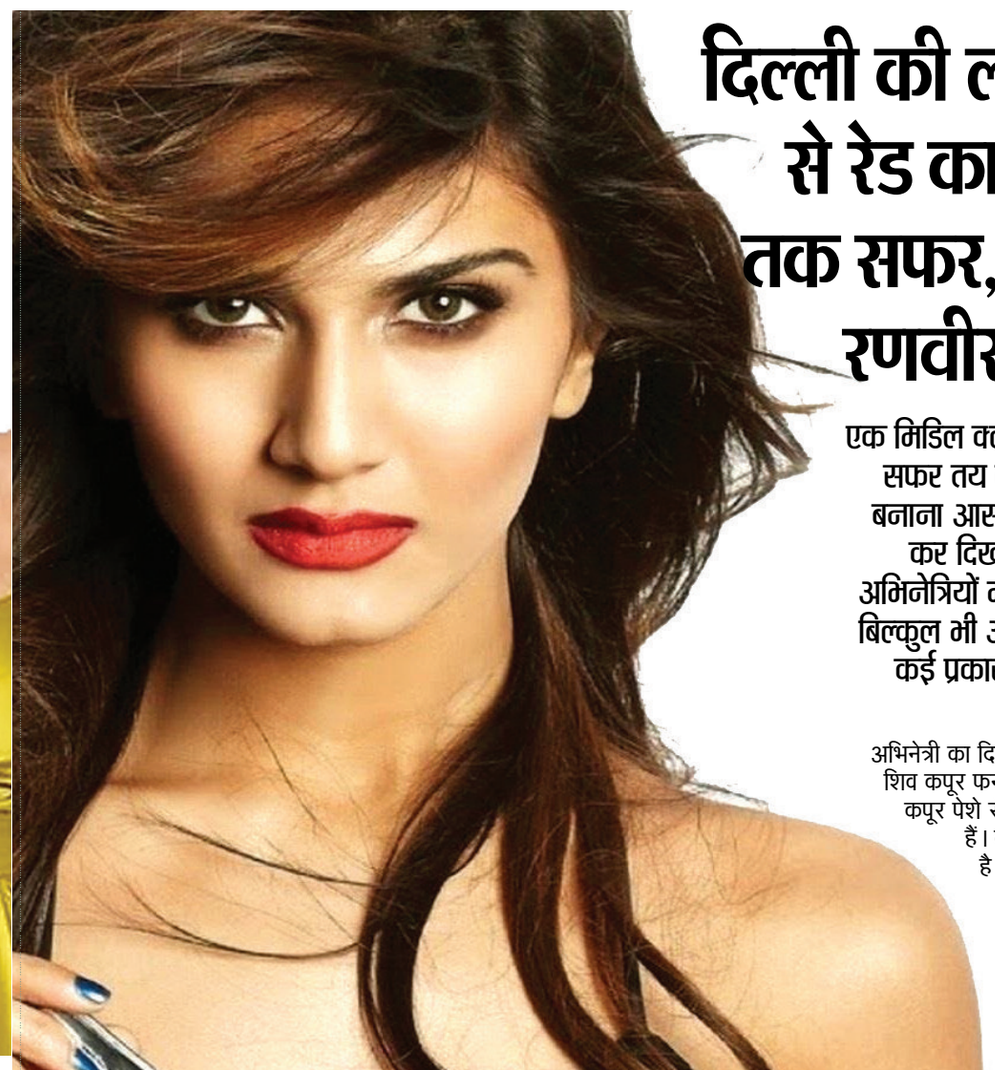

दिल्ली की लड़की का रेस्टोरेंट से रेड कार्पेट और बॉलीवुड तक सफर, ऋतिक से लेकर रणवीर की बनीं हीरोइन

एक मिडिल क्लास परिवार से आकर बॉलीवुड तक का सफर तय करना और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में नाम बनाना आसान नहीं है, लेकिन वाणी कपूर ने ऐसा कर दिखाया है। हालांकि, बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक वाणी कपूर के लिए यह रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं था। इस सफर में वाणी को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

अभिनेत्री का दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता शिव कपूर फर्नीचर एक्सपोर्ट के एक बिजनेसमैन हैं और मां डिंपी कपूर पेशे से एक मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के साथ शिक्षिका रही हैं। वाणी ने अपनी पढ़ाई-लिखाई दिल्ली से ही पूरी की है। उन्होंने दिल्ली के इग्नू विश्वविद्यालय से टूरिज्म में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। पढ़ाई के दौरान ही अभिनेत्री ने होटल मैनेजमेंट की ओर रुख किया और जयपुर के एक होटल में इंटर्नशिप करने लगीं। इसके बाद उन्होंने एक अन्य होटल में भी कुछ समय के लिए काम किया।

होटल में काम करने के दौरान उनकी जान-पहचान एक मॉडलिंग एजेंसी से हुई। उनकी लंबी हाइट और आकर्षक व्यक्तित्व को देखकर एजेंसी ने उन्हें मॉडलिंग के लिए साइन किया। अभिनेत्री के जीवन में यह एक ऐसा टर्निंग पॉइंट रहा, जहां उनके करियर ने रेस्टोरेंट से रेड कार्पेट की ओर रुख किया। शुरुआत में उन्होंने कई बड़े फैशन डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक करने के साथ विज्ञापनों में भी काम किया। इन कामों से उनका चेहरा पहचान में आने लगा और फिर उन्होंने वर्ष 2013 में यशराज फिल्म्स की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। अपनी पहली फिल्म में कमाल के प्रदर्शन के बलबूते अभिनेत्री ने बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार हासिल किया। डेब्यू फिल्म के बाद उन्होंने ऋतिक रोशन, अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, रणबीर कपूर से लेकर इंडस्ट्री के कई प्रमुख कलाकारों के साथ काम किया। उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों की बात करें तो उनमें 'बेफिक्रे', 'वॉर', 'चंडीगढ़ करे आशिकी', 'बेल बॉटम', 'रेड 2' और 'शमशेर' आदि शामिल हैं।

आदित्य रॉय कपूर की प्रोजेक्ट में भाग्यश्री बोर्से के शामिल होने की खबरें गलत

साउथ की चर्चित अभिनेत्री भाग्यश्री बोर्से और बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर, डायरेक्टर मिलाप जवेरी की आगामी फिल्म का हिस्सा होंगे। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट पर आधारित यह खबर पिछले दिनों खूब चर्चा में रही। लेकिन अब नया अपडेट इस बारे में सामने आया है। इस फिल्म को लेकर टी-सीरीज प्रोड्यूस कर रहा है। टी-सीरीज के एक प्रवक्ता ने कहा, 'आदित्य रॉय कपूर के साथ टी-सीरीज और मिलाप जवेरी एक फिल्म बना रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में भाग्यश्री बोर्से के शामिल होने की खबरें गलत हैं। प्रोडक्शन हाउस जल्द ही अभिनेत्री के नाम का आधिकारिक घोषणा करेगा।' भाग्यश्री बोर्से तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में अभिनय करती हैं। वह बॉलीवुड में 'यारियां 2' और 'चंदू चैंपियन' में छोटे लेकिन अहम किरदार निभा चुकी हैं। वहीं फिल्म विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' का भी वह हिस्सा रही हैं। वह एक तमिल फिल्म 'सियोन' भी कर रही हैं।

करीना कपूर ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर दिया रिएक्शन

करीना कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अटकलों के कारण सुर्खियों में हैं। बेबो ने शनिवार को इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रेग्नेंसी की इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया साझा की, जिसे पढ़कर आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। करीना ने स्टोरीज सेक्शन में एक मजेदार इंस्टाग्राम पोस्ट को दोबारा शेयर किया, जिसमें एक आदमी अपने फूले हुए पेट के साथ पोज देता नजर आ रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हट ना बे'। करीना ने अपने अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए हंसने वाले और पिज्जा वाले इमोजी भी जोड़े। करीना से पहले उनकी ननद और सैफ की बहन सबा पटौदी ने अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की अफवाहों को खारिज करते हुए दावा किया था कि विवादित तस्वीर, जिसमें बेबो को फूले हुए पेट के साथ देखा जा सकता है, एक खराब कैमरा एंगल का परिणाम थी।

रसिका ने बताया बड़े पर्दे पर कितना बदलेगा 'मिर्जापुर' का अनुभव

बातचीत में रसिका ने बताया कि इतने वर्षों तक इस किरदार को निभाने के बाद जब वह फिर बीना बनीं, तो उन्हें इसमें कुछ नया भी देखने को मिला।

'जैसे किसी पुराने किरदार में दोबारा जाना' रसिका कहती हैं, 'मेरे लिए बीना में वापस जाना ऐसा था जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के दिमाग में दोबारा जाना, जिसके साथ मैं कई वर्षों से रह रही हूं। आप किसी किरदार के साथ इतने लंबे समय तक रहते हैं तो उसके बारे में बहुत कुछ आपके भीतर जमा हो जाता है। लेकिन फिर भी जब आप उसे दोबारा निभाते हैं तो उसके कुछ नए पहलू सामने आते हैं। इस बार भी मेरे लिए ऐसा ही था।'

बीना की ताकत उसके अधिकार हैं

बीना को लेकर वह कहती हैं, 'वह हमेशा से समझती रही है कि ताकत सिर्फ शारीरिक शक्ति या अधिकार से नहीं आती। धैर्य, समझदारी, सही समय का इंतजार करने की क्षमता भी ताकत है। सबसे जरूरी बात यह है कि वह जानती है कि उसे खुद को कैसे बचाए रखना है। ये चीजें उसके व्यक्तित्व का हिस्सा हैं।'

फिल्म में कहानी के साथ किरदारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर रसिका कहती हैं, 'फिल्म में दांव पहले से बड़े हैं। हर किरदार को ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं, जिनके नतीजे भी पहले से कहीं ज्यादा दूर तक जाते हैं। इस दुनिया की खास बात यह है कि बड़े पैमाने पर होने के बावजूद यह अपने किरदारों के इमोशंस से जुड़ी रहती है। मुझे लगता है कि मेरा किरदार ही इस पूरी कहानी को और दिलचस्प बनाता है।'

सिर्फ एक्शन नहीं, ड्रामा भी गहरा

'मिर्जापुर' के सीरीज से फिल्म तक जाने के सफर पर पर रसिका कहती हैं, 'सिनेमा में चीजों को और आगे ले जाने की गुंजाइश होती है। इस फिल्म में एक्शन बड़ा है, लेकिन मेरे लिए सिर्फ एक्शन का बड़ा होना ही महत्वपूर्ण नहीं है। ड्रामा ज्यादा तीखा है, किरदारों के बीच के टकराव ज्यादा गहरे हैं और बदले की भावना भी कहानी में एक अलग स्तर पर पहुंचती है। जब आप इन किरदारों को बड़े पर्दे पर देखते हैं तो हर चीज ज्यादा करीब और ज्यादा प्रभावशाली महसूस होती है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।